लखनऊ

बुधवार, 17 सितम्बर, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 68
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"सच" बोलने से हमेशा 'दिल' साफ़ रहता है, "अच्छाई" करने से हमेशा- 'मन' साफ़ रहता है, "मेहनत" करने से हमेशा- 'दिमाग़' साफ़ रहता है

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
34°	28°
Hi	Low

संक्षेप

बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के ऋण के लिए ब्याज नहीं लिया जाएगा: नीतीश कुमार ने की घोषणा

पटना। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के ऋण के लिए ब्याज नहीं लेने की घोषणा की है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार में सात निश्चय योजना के अंतर्गत 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए 2 अक्टूबर 2016 से बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लागू है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अधिकतम चार लाख रुपए का शिक्षा ऋण सामान्य आवेदक को चार प्रतिशत ब्याज दर पर तथा महिला, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर आवेदक को मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है। उन्होंने आगे लिखा, मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि अब स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले शिक्षा ऋण की राशि सभी आवेदकों के लिए ब्याज रहित होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि दो लाख रुपए तक के शिक्षा ऋण को 60 मासिक किस्तों (5 वर्ष) में वापस करने का प्रावधान था, जिसे अब बढ़ाकर अधिकतम 84 मासिक किस्तों (7 वर्ष) में तथा दो लाख से ऊपर ऋण राशि को 84 मासिक (7 वर्ष) किस्तों से बढ़ाकर अधिकतम 120 मासिक (10 वर्ष) किस्तों में वापस करने का प्रावधान किया गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पोस्ट में आगे लिखा, हम लोगों का उद्देश्य है कि राज्य के अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उच्च शिक्षा के लिए प्रदान की जाने वाली शिक्षा ऋण में दी जाने वाली इन सुविधाओं से छात्रों के मनोबल में वृद्धि होगी और वे अधिक उत्साह एवं लगन से उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य के साथ-साथ राज्य एवं देश का भविष्य भी संवार सकेंगे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण की तैयारियों का जायजा लेने 19 को आएंगे सीएम योगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट में 25 सितंबर से शुरू होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। यह आयोजन न सिर्फ देश बल्कि विदेश से भी मेहमानों और कंपनियों को आकर्षित करेगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की संभावना जताई जा रही है। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 सितंबर को गौतमबुद्ध नगर पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण करेंगे। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश की औद्योगिक, सांस्कृतिक और आर्थिक शक्ति को प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच बन चुका है। इसके पिछले यानी दूसरे संस्करण में लगभग ढाई लाख से अधिक लोग शामिल हुए थे। इस दौरान देश-विदेश की कंपनियों को सीधे उत्पादक कंपनियों से जुड़ने का अवसर मिला। इसके साथ ही आम जनता ने भी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैयार और निर्यात हो रहे उत्पादों को नजदीक से देखा और समझा। यही कारण है कि तीसरे संस्करण को लेकर उद्योग जगत के साथ-साथ आम लोगों में भी खासा उत्साह है।

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प, अमित शाह बोले- 2047 तक खत्म होगा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें।

> "2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद ज़रूरी है।

अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णतः विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद ज़रूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नज़दीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें।

शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं, एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है। इन तीनों तरह के कार्टेल्स पर कड़ा प्रहार करने का समय आ गया है। मेरा मानना है कि ऐसा तभी हो सकता है जब यहां बैठे लोग तय कर लें कि ये लड़ाई हमारी लड़ाई है।

अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का निर्वासन और प्रत्यर्पण, ये दोनों ही बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में बैठकर यहाँ नशे का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें हमारे कानून के दायरे में लाया जाए। सीबीआई ने इसमें बहुत अच्छा काम किया है। मैं सभी एएंडटीएफ अध्यक्षों से अनुरोध करता हूँ कि वे सीबीआई निदेशक से संपर्क करें और प्रत्यर्पण के लिए एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जो न केवल नशे, आतंकवाद, गिरोहों, बल्कि हर चीज़ के लिए उपयोगी हो। यह बहुत ज़रूरी है और जिस तरह प्रत्यर्पण ज़रूरी है, उसी तरह व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ निर्वासन भी ज़रूरी है। जिन लोगों को आपने यहाँ जेल में रखा है, वे किसी न किसी तरह से यहाँ से कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं। गृह मंत्रालय की ओर से कुछ दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इस प्रक्रिया के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, उन्हें निर्वासित करने की व्यवस्था का रास्ता सुनिश्चित किया जाना चाहिए। गृह विभाग इसके लिए एक एसओपी भी जारी करने वाला है।

बिहार में एनडीए की सरकार तय : मंत्री नरेंद्र कश्यप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ किए जाने पर कहा कि यह इस बात का संकेत है कि बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में लोग मौजूदा समय में एनडीए की कार्यशैली से संतुष्ट हैं और यह बिहार में आगामी दिनों में एनडीए की जीत का मार्ग प्रशस्त करेगी। पप्पू यादव जैसे राजनेता अगर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा कर रहे हैं, तो निश्चित तौर पर यह इस बात का संकेत है कि हमारी सरकार ने बिहार में अच्छा काम किया है। बिहार की जनता मौजूदा समय में एनडीए सरकार की अहमियत समझ रही है। बिहार में एनडीए के जीत के काफिले को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पाएगा। पप्पू यादव की ओर से प्रधानमंत्री की तारीफ करना एनडीए की ताकत को बढ़ाएगा।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लाया गया वक्फ संशोधन कानून पूरी तरह से सही है। इसमें किसी भी प्रकार की कोई विसंगति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से वक्फ संशोधन कानून को मंजूरी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ सुधार से जुड़ी टिप्पणियां भी की हैं। आगामी दिनों में केंद्र सरकार इस दिशा में कदम बढ़ाएगी। लेकिन, जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की, उसे मोदी सरकार की 'जीत' के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। दोनों के बीच खटास आ गई है, जिसका असर बिहार विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। जो राहुल गांधी और तेजस्वी यादव एक साथ बिहार की राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में करने की कोशिश में यात्रा निकाल रहे थे। अब इस यात्रा के समापन के कुछ दिनों बाद ही आखिर ऐसी क्या जरूरत पड़ी कि तेजस्वी यादव फिर से यात्रा निकाल रहे हैं।

अब और मोहलत नहीं! महाराष्ट्र निकाय चुनाव में देरी पर SC खफा, कहा- 2026 तक कराएं मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को राज्य में 31 जनवरी, 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा, शीर्ष अदालत ने राज्य के अधिकारियों को 10 अक्टूबर तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पारित किया। शीर्ष अदालत ने राज्य चुनाव आयोग पर 6 मई को स्थानीय निकाय चुनावों की घोषणा चार सप्ताह के भीतर करने और चार महीने के भीतर चुनाव कराने के स्पष्ट आदेश के बावजूद तुरंत कार्रवाई न करने के लिए असंतोष व्यक्त किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा, 'क्या चुनाव पहले ही हो चुके हैं?' उन्होंने मई के उस आदेश का हवाला दिया जिसमें चार महीने के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया गया था। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा कि प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि परिसीमन पूरा हो चुका है और राज्य चुनाव आयोग कुछ अतिरिक्त समय मांग रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में एक अंतरिम आवेदन भी दायर किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सवाल किया, 'हम आपको जनवरी तक का समय क्यों दें?'

एक अन्य वकील ने बताया कि 29 नगर निगम हैं और पहली बार एक साथ चुनाव हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आपकी निष्क्रियता अक्षमता दर्शाती है... कृपया मौखिक रूप से कारण स्पष्ट करें।' वकील ने आगे कहा कि उनके पास वर्तमान में 65,000 ईवीएम मशीनें हैं और उन्हें 50,000 और मशीनों की आवश्यकता है, जिसके लिए ऑर्डर पहले ही दिए जा चुके हैं। न्यायालय ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए एक नई समय सीमा निर्धारित करते हुए एक अतिरिक्त विस्तार की अनुमति दे दी है, तथा कहा है कि अब और विस्तार नहीं दिया जाएगा।

शिक्षकों के अनुभव पर योगी सरकार का जोर, टीईटी अनिवार्यता के आदेश को SC में चुनौती देने का निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि वह सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य बनाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के शिक्षक अनुभवी हैं और उन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिया गया है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों के लिए TET की अनिवार्यता पर माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

पिछले पाँच दिनों में, उत्तर प्रदेश में दो शिक्षकों—जो चालीस और पचास के दशक के अंत में थे—ने आत्महत्या कर ली है। कथित तौर पर वे सर्वोच्च न्यायालय के आदेश द्वारा अनिवार्य की गई शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करने के दबाव का सामना नहीं कर पाए। उनके परिवारों का आरोप है कि वे शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की तैयारी को लेकर तनाव में थे। 1 सितंबर, 2025 को, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने फैसला सुनाया कि पाँच साल से अधिक की सेवा शेष रहने वाले सभी सरकारी स्कूल शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करना होगा अन्यथा उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति या त्यागपत्र का सामना करना पड़ेगा। यह आदेश तमिलनाडु और महाराष्ट्र में शिक्षकों की नियुक्तियों से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया था, लेकिन इसका अखिल भारतीय प्रभाव है, जिससे लगभग 10 लाख शिक्षक प्रभावित हैं—जिनमें से लगभग दो लाख अकेले उत्तर प्रदेश में हैं।

ऑपरेशन लायनफिश-मेयाग 3 : इंटरपोल ने भारत समेत 18 देशों से जब्त की 57,000 करोड़ रुपए की ड्रग्स

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरपोल ने ड्रग्स के खिलाफ 'ऑपरेशन लायनफिश-मेयाग 3 के तहत बड़ी कार्रवाई की है। इंटरपोल ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर (57,000 करोड़) मूल्य के सिंथेटिक ड्रग्स जब्त किए। इंटरपोल ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी है। इंटरपोल ने वीडियो शेयर कर बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के सिंथेटिक ड्रग्स जब्त किए गए हैं।अधिकारियों ने कुल 76 टन ड्रग्स बरामद किया, जिसमें 51 टन मेथामफेटामाइन के साथ-साथ फेंटेनिल, हेरोइन, कोकीन और अन्य रासायनिक पदार्थ शामिल हैं।

इंटरपोल के मुताबिक, एशिया और उत्तरी अमेरिका के 18 देशों में सिंथेटिक ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी के खिलाफ 'ऑपरेशन लायनफिश-मयाग ढ्ढढ्ढ को 30 जून से 13 जुलाई 2025 तक सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

इस ऑपरेशन के तहत 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के सिंथेटिक ड्रग्स जब्त किए गए हैं। इस अभियान के दौरान 386 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इंटरपोल ने बताया कि ऑपरेशन भारत सहित 18 देशों में चलाया गया। इस अभियान के दौरान जब्त 76 टन नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 6.5 बिलियन डॉलर आंकी गई। इस दौरान रिकॉर्ड 297 मिलियन नशीली गोलियां बरामद की गईं। जानकारी के अनुसार, ड्रग्स को सर्फबोर्ड, टी बॉक्स, कैट फूड और कॉफी मशीन में छिपाया गया था। बरामद फेंटानिल की मात्रा इतनी थी कि यह 15.1 करोड़ लोगों की जान ले सकती थी। इंटरपोल के मुताबिक, यह अब तक की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय ड्रग-रोधी कार्रवाइयों में से एक है। बता दें कि इंटरपोल (अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें विश्वभर की सरकारें एकजुट होकर अपराध नियंत्रण के लिए सहयोग करती हैं।

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में राज कुंद्रा से पूछताछ, अब अगले हफ्ते फिर होना होगा पेश

मुंबई, एजेंसी। 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के एक मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए तलब किया गया। मुंबई पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ 60 करोड़ की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच जारी है। आर्थिक अपराध शाखा ने राज कुंद्रा को समन भेजा था और उनसे पूछताछ की गई। उनका बयान दर्ज कर लिया गया है और उन्हें अगले सप्ताह दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। मामले में कारोबारी दीपक कोठारी ने आरोप लगाया है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने मिलकर उन्हें 60 करोड़ रुपए का चूना लगाया। उनका दावा है कि उन्होंने 2015 से 2023 के बीच राज कुंद्रा को बिजनेस एक्सपेंशन के नाम पर पैसे दिए थे, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि ये रकम बिजनेस में नहीं, बल्कि कपल ने निजी खर्चों में इस्तेमाल की। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस बीच शिल्पा शेट्टी को लेकर एक नई चर्चा शुरू हुई। कहा जा रहा है कि उनका बांद्रा स्थित रेस्टोरेंट 'बैस्टियन' बंद होने वाला है। इस खबर के बाद सोशल मीडिया पर अफवाहें फैल गईं। हालांकि, शिल्पा शेट्टी ने इस पर तुरंत सफाई देते हुए आधिकारिक बयान जारी किया।

बेरोज़गारी, अपराध और अधिकारों के लिए तेजस्वी की 'अधिकार यात्रा' का आगाज, नया बिहार बनाने का संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को युवाओं की बेरोज़गारी के ख़िलाफ़ 'अधिकार यात्रा' की शुरुआत की और महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने, शिक्षकों का सम्मान करने और बिहार में स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने का आह्वान किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे गठबंधन में कोई कन्फ्यूजन नहीं है। जनता बिहार की मालिक है और वही मुख्यमंत्री बनाती है. इस बार वो बदलाव चाहती है. बिहार में किसी से भी जाकर पूछ लीजिए कि वो किसे (मुख्यमंत्री के तौर पर) देखना चाहते हैं, जवाब मिल जाएगा। लेकिन हमारे गठबंधन में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है और समय आने पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी।

राजद सांसद संजय यादव के अनुसार, यह रैली उन ज़िलों में निकाली जा रही है जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आयोजित 'मतदाता अधिकार यात्रा' में शामिल नहीं हो पाए थे, जिसमें राजद ने भी हिस्सा लिया था। राजद विधायक ने एएनआई को बताया मतदाता अधिकार यात्रा' के बाद कुछ ज़िले छूट गए थे, जिसमें वहाँ के हमारे तमाम कार्यकर्ता और नेता आए और कहा कि ज़िले छूट गए हैं, इसलिए तेजस्वी जी ने उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए यह यात्रा निकालने का फ़ैसला लिया। दूसरी बात, तेजस्वी जी एक नए बिहार के निर्माण के संकल्प के साथ यह यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के लिए रोज़गार, महिलाओं के अधिकार, शिक्षकों का सम्मान, बिहार में उद्योग लगें, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर हो।

आज जहानाबाद से शुरू हुई यह रैली 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी। यह रैली बेगूसराय, खगड़िया और मधेपुरा भी जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर चल रही अटकलों के बीच, राजद सांसद ने दोहराया कि तेजस्वी यादव को 'पूरा बिहार' समर्थन दे रहा है। उन्होंने आगे पुष्टि की कि सीट बंटवारे पर बातचीत चल रही है और सब कुछ ठीक चल रहा है।

उन्होंने कहा कि बिहार के पास जो चेहरा है, वह पूरे देश में किसी भी पार्टी के पास नहीं है। तेजस्वी जी चाहकर भी पीछे नहीं हट सकते। पूरा बिहार तेजस्वी के साथ है, इसलिए इसमें कोई शक नहीं है। सीट बंटवारे की बात कौन कर रहा है? हम गांधी मैदान में बैठकर सीट बंटवारा नहीं करेंगे। सब कुछ ठीक चल रहा है। आज, यात्रा शुरू करने से पहले, तेजस्वी यादव ने एएनआई को बताया कि सत्ता में आने पर वे 'भ्रष्टाचार-मुक्त', 'अपराध-मुक्त' सरकार बनाएंगे।

प्राथमिक शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता के विरोध में किया धरना प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा के आह्वान पर मंगलवार को प्रदेशव्यापी धरना और ज्ञापन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

तिकोनिया पार्क से शुरू होकर कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय तक शिक्षक संघर्ष शिक्षक एकता जिंदाबाद आवाज दो हम साथ है काला कानून वापस लो, हमारी मांगे पूरी, नारे बाजी करते हुए जुलूस के रूप में पहुंचा। अपर एसडीएम ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन लिया उन्होंने ज्ञापन पहुंचाने के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे, जिनके माथे पर गहरी चिंता की लकीरें साफ नजर आ रही थीं। जनपदीय प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि कार्यक्रम का नेतृत्व संघ अध्यक्ष एवं मांडलिक मंत्री अयोध्या के दिलीप कुमार पाण्डेय ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक संघ का इतिहास संघर्षों से भरा रहा है और अब भी शिक्षक वर्ग को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। शिक्षक संगठन की अपील है कि केंद्र व राज्य सरकार संवेदनशीलता दिखाएं और उचित समाधान का मार्ग प्रशस्त करें।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र नारायण मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया कि शिक्षक समुदाय की पीड़ा को समझते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं, ताकि राहत मिल सके। विनोद यादव, जिला उपाध्यक्ष ने सरकार से प्रश्न किया कि क्या वे लाखों उदास और निराश शिक्षकों के आंसू को बहने से रोकेंगे । वर्तमान समय में शिक्षक समाज अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है 2010 से पहले के नियुक्त शिक्षक पर जमज की अनिवार्यता पर सीधे सीधे केंद्र सरकार जिम्मेदार है जो बड़ी ही चतुराई से एनसीईटी कानून मे संशोधन कर शिक्षकों के साथ छल किया गया। इसी को आधार बनाते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ऐसा आदेश किया गया आज शिक्षक अवसाद ग्रस्त होकर आत्महत्या करने को मजबूर है। जिला मंत्री डॉ. हृषिकेष भानु सिंह ने सरकार से आग्रह किया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा 1 सितंबर 2025 को दिए गए आदेश के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दाखिल की जाए, ताकि टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को न्याय मिल सके। वहीं, जिला संयुक्त मंत्री प्रशांत पाण्डेय ने कहा कि यदि ज्ञापन के माध्यम से सार्थक परिणाम नहीं मिलते तो चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति के तहत संघर्ष जारी रहेगा।

मखदूमपुरवा में चोरी की वारदात, पुलिस की कोशिशों के बावजूद नहीं थम रही घटनाएं

इटियाथोक (गोण्डा)। लखनीपुर पंचायत के मखदूम पुरवा मजरे में बीती रात चोरी की एक वारदात हुई। शेष राम यादव के घर में चोरों ने सेंध लगाकर जेवरात और नकदी चोरी कर ली। पीड़ित ने मंगलवार सुबह इटियाथोक थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शेष राम यादव ने बताया कि वह रात 2 बजे तक जागे थे और इसके बाद सो गए। चोरों ने घर की पिछली दीवार से अंदर घुसकर कमरे में रखे बॉक्स से उनकी पत्नी और बेटी के जेवर चुरा लिए। साथ ही 25 हजार रुपये नगद भी ले गए। सुबह 7 बजे उनकी पत्नी ने देखा कि बॉक्स टूटा हुआ है और कपड़े बिखरे पड़े हैं। पुलिस ने रात्रि गश्त और चेकिंग अभियान तेज कर दिए हैं, साथ ही गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित कर रही है। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ बैठकें करके लोगों को अफवाहों से बचने और सतर्कता बरतने का संदेश दिया जा रहा है।

थाना मार्ग पर भ्रष्टाचार का जानलेवा गड्ढ़ा

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। धनपतगंज थाना तक जाने वाली सड़क करोड़ों की लागत से बनी, लेकिन प्रशासनिक भ्रष्टाचार और जिम्मेदारों की लापरवाही ने इसे मौत का जाल बना दिया है। वर्षों से सड़क पर पड़े बड़े-बड़े गड्ढे और उनमें भरा जलभराव राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। यह सड़क थाना पहुंचने का एकमात्र मार्ग है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से घटिया निर्माण कराकर जनता की जान से खिलवाड़ किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के समय ही सड़क की गुणवत्ता संदिग्ध रही। घटिया सामग्री के इस्तेमाल और देखरेख की अनदेखी ने भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। हालत यह है कि फरियादी और ग्रामीण, जिन्हें थाना तक जाना पड़ता है, जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। बरसात में गड्ढों में पानी भरने से सड़क तालाब जैसी बन गई है और दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ गई है। भाजपा नेता अवध कुमार सिंह, प्रधान रबिंद्र प्रताप सिंह, प्रधान बलवंत सिंह, प्रधान दिव्यराज सिंह लकी, प्रधान प्रतिनिधि अरशद व प्रधान अनूप सिंह, समेत कई ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और जनप्रतिनिधियों से सड़क को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि भ्रष्टाचार की वजह से लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क बाद भी बदतर हो गई है। जनहित में सड़क निर्माण कार्य अति आवश्यक हैं। अन्यथा कभी भी किसी क्षण बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

रालोद का अकेले मैदान में उतरने का एलान, भाजपा में खलबली, जयंत चौधरी को मनाने की तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी बीच भाजपा की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। इस फैसले से भाजपा में सुगबुगाहट का माहौल है।

भाजपा ने जिला और क्षेत्रीय स्तर पर पंचायत चुनाव की रणनीति तय करते हुए संयोजक और सह संयोजक नियुक्त कर दिए हैं। वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने का काम भी तेज किया गया है। पार्टी का लक्ष्य इस बार भी अधिकतर जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख पदों पर विजय हासिल करना है। इसके लिए रालोद के साथ गठबंधन की पैरवी की जा रही थी।

संगठन मजबूत होगा तो विस चुनाव में सफलता होगी आसान: डॉ. कुलदीप उज्ज्वल

रालोद पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश संयोजक डॉ. कुलदीप उज्ज्वल ने साफ कहा है कि उनकी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उनका मानना है कि पंचायत चुनाव विधानसभा चुनाव का आधार होते हैं और यदि पंचायत स्तर पर संगठन मजबूत होगा तो विधानसभा चुनावों में सफलता आसान होगी।

गठबंधन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं: सत्येंद्र सिसोदिया

भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया का कहना है कि अभी गठबंधन पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। शीर्ष नेतृत्व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी से बातचीत कर निर्णय लेगा।

रालोद का यह रुख भाजपा के लिए असमंजस की स्थिति पैदा कर रहा है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में दोनों दलों के बीच बातचीत किस दिशा में जाती है।

सिंघनी ग्रामसभा में करोड़ों का घोटाला के जांच में आए जांच अधिकारी

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर।। ग्रामसभा सिंघनी में विकास कार्यों में हुए भारी भ्रष्टाचार की शिकायत पर खबर पर आखिरकार जिला प्रशासन को हरकत में आना पड़ा। मंगलवार को जिला कृषि अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे और ग्रामसभा निवासी प्रवीण सिंह की ओर से लगाए गए सात बिंदुओं की जांच शुरू की। यह मामला उस समय गंभीर हो गया जब जांच के दौरान ग्रामसभा के सेक्रेटरी प्रदीप सिंह जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने और अधिकारी को भ्रमित करने का प्रयास करते देखे गए। हालांकि शिकायतकर्ता प्रवीण सिंह और अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी ने जांच को निष्पक्ष बनाए रखा। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रामसभा में हुए विकास कार्य केवल कागजों पर पूरे दिखाए गए हैं। करोड़ों की सरकारी राशि का बंदरबांट कर लिया गया, जबकि जमीनी हकीकत में अधिकांश कार्य अधूरे और निम्नस्तरीय हैं। शिकायत के अनुसार, सरकारी धन की लूट से न केवल ग्रामसभा बल्कि सरकार की जनकल्याण योजनाओं की साख को भी गहरी चोट पहुंचाई गई है। जांच अधिकारी द्वारा यदि सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच की जाती है तो करोड़ों के घोटाले की परतें खुलना तय है। ग्रामीणों का कहना है कि अब यह देखना होगा कि जांच अधिकारी निष्पक्ष रहकर सच्चाई उजागर करते हैं या फिर "सेटिंग-गेटिंग" और प्रभाव में आकर लीपापोती कर देते हैं। भ्रष्टाचार के इस काले खेल ने सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। जनता की निगाहें अब प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मामले में कितना पारदर्शी रुख अपनाता है।

गोरखपुर में पशु तस्करों ने छात्र की पीटकर हत्या की, भड़के लोगों ने पुलिस पर की पत्थरबाजी ; गाड़ियां फूंकीं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के जंगल धूषण महुआ चापी में बीती रात पशु तस्करों ने एक छात्र की पीटकर हत्या कर दी। हालांकि प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पशु तस्करों ने गोली मारकर युवक की हत्या कर दी। एक युवक घायल भी बताया जा रहा है।

हालांकि हंगामे के लगभग साढ़े तीन घंटे बाद एसएसपी राजकरण नैय्यर ने बताया कि पशु तस्करों ने गाड़ी से छात्र को नीचे ढ़केल दिया, जिससे उसके सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। इसके पहले, मंगलवार की सुबह नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी। पुलिस पर पथराव करने लगे। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों को चोट आई है।

बताया जा रहा है कि गुस्साई भीड़ ने मैजिक गाड़ी में आग लगा दी। पूरा मामला गो तस्करों से जुड़ा बताया जा रहा है। नाराज लोगों ने हत्या के विरोध में पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया और सड़क जाम कर दी। सूचना पर प्रशासकि अधिकारी के साथ पुलिस और पीएसी की टीम मौके पर पहुंची है।

लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है, लेकिन नाराज लोग उग्र होकर सड़क पर ही प्रदर्शन कर रहे हैं और लगातार पत्थरबाजी भी कर रहे हैं।

पुलिस दबिश से भागे किसान शाकिर अली की खेत में गिरकर मौत, स्वजन ने लगाया मारपीट का आरोप!

पुलिस ने शाकिर अली को भी उठाया था

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बिनावर थाना क्षेत्र के गांव सेमरमई में सोमवार रात पुलिस से डरकर भागे 45 वर्षीय शाकिर अली पुत्र मोहम्मद अली की खेत में गिरकर मृत्यु हो गई। वह अपने घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। स्वजन का आरोप है कि सोमवार रात बिनावर थाना पुलिस की दो गाड़ियां भरकर आई थीं। सभी पुलिसकर्मी संदिग्ध लोगों को तलाश कर रहे थे।

पुलिस ने शाकिर अली को भी उठाया था। पहले उन्हें हड़काया फिर मारपीट भी की। इससे वह डर की वजह से वहां से भाग खड़े हुए और कुछ ही दूरी पर खेत में जाकर गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। जब इसके बारे में स्वजन को पता चला तो वह मौके पर पहुंच गए और उनके शव को उठाकर घर ले आए। उनके परिवार में कोहराम मच गया।

अभी उन्होंने किसी से शिकायत नहीं की है लेकिन पुलिस पर मारपीट करने का भी आरोप लगा रहे हैं। शाकिर के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। वह खेती करते थे।

त्यौहार आते ही हरकत में फूड विभाग, सालभर क्यों रहता है खामोश

सुलतानपुर। जिले में मिलावटी मिठाई और नकली दूध का कारोबार पूरे साल धड़ल्ले से चलता है, लेकिन फूड विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मानो गहरी नींद में सोए रहते हैं। आम दिनों में कार्रवाई के नाम पर विभाग की चुप्पी बनी रहती है। हालांकि जैसे ही त्यौहार आते हैं, विभाग हरकत में आ जाता है। मिठाई की दुकानों पर छापेमारी, फोटो सेशन और रिपोर्टिंग कर अधिकारियों को "हीरो" बनाने का खेल शुरू हो जाता है। यही तस्वीरें उच्चाधिकारियों और मीडिया को भेजी जाती हैं, जिससे यह संदेश जाए कि विभाग सक्रिय है। सूत्रों की मानें तो जिले में नकली दूध, मिलावटी मिठाई और घटिया क्वालिटी के खाद्य पदार्थ खुलेआम बिक रहे हैं। विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी दुकानदारों पर कार्रवाई करने की जगह उनके साथ सौदेबाजी कर अपना फायदा देखते हैं। त्यौहारों पर यही अधिकारी मिठाई की दुकानों से अच्छी क्वालिटी की मिठाइयाँ बनवाकर खुद और अपने करीबियों को खिलाते हैं।

सन्नाटा चीरती रातों में पहरा दे रहे लोग, यूपी के इन 10 गांवों में आखिर किसका खौफ? काम नहीं आ रही कोई तरकीब

> वन्यजीव को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। टीमें लगी हुई है। जल्द ही हमलावर वन्यजीव को पकड़ लिया जाएगा।
>
> -रामजी यादव, डीएफओ

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। शाम पांच बजे के बाद सूरज के ढलते ही लोगों के घरों का दरवाजा भी बंद होने लगता है। सन्नाटा चीरती रातें और भेड़िए के खौफ में 10 गांवों के ग्रामीण चैन की नींद नही सो पा रहे हैं। पूरी रात वन विभाग की टीम के साथ रतजगा कर रहे हैं और भेड़िया पिंजड़े में कैद हो जाए, यह उम्मीद संजोय हुए है।

पांच दिन बीत जाने के बाद भी कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। अब तक दो लोगों की मौत और पांच से अधिक लोग जख्मी हो चुके हैं। अब लोगों का वन विभाग के कार्रवाई से भी भरोसा उठ रहा है।

रविवार रात के घड़ी में 10 बज रहे थे। भेड़िया प्रभावित गांव में सीडीओ मुकेश चंद्र व डीएफओ रामसिंह यादव, रेंजर कैसरगंज ओंकार नाथ यादव व प्रमुख प्रतिनिधि मुन्ना सिंह घर-घर दस्तक देकर लोगों को घरों में ही रहने की अपील करते नजर आए। अनुरागपुरवा, नंदवल, केशरवा बबुरी समेत अन्य गांवों में ग्रामीण व वन विभाग की टीम संयुक्त गश्त करती नजर आई। पूरी रात सर्च आपरेशन चला, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। हरिरामपुरवा, नरेश पुरवा, रामशब्द पुरवा, इच्छाराम पुरवा, शिलोचन पुरवा, हरिश्याम पुरवा, अनुराग पुरवा, गांधीगंज, मंझारा तौकली, नंदवल के केसरवा व बौडी के बोहरवा गांव के ग्रामीण दहशतजदा है।

काम नहीं आ रही कोई तरकीब

भेड़िए को पकड़ने के लिए तीन थर्मल ड्रोन आसमान में उड़ान भर रहे हैं। थर्मोसेंसर कैमरे व पिंजरे लगाए गए है। 94 वन रक्षक व मुख्य वन संरक्षक के साथ मंडल स्तरीय अधिकारी मौजूद है। बावजूद इसके कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

स्वास्थ्य विभाग में बाबू का कारनामा

सुलतानपुर। स्वास्थ्य विभाग में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मेडिकल कॉलेज/जिला अस्पताल में तैनात बाबू सर्वेश मिश्रा पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उन्होंने अपनी पत्नी के नाम से फर्म बनवाकर विभाग में ठेकेदारी शुरू कर दी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार शासनादेश साफ कहता है कि कोई भी कर्मचारी अथवा अधिकारी अपने रिश्तेदार या परिजनों के नाम से विभागीय ठेका कार्य नहीं करा सकता। इसके बावजूद विभाग में इस नियम की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आरोप यह भी है कि बाबू सर्वेश मिश्रा को विभागीय स्तर पर संरक्षण प्राप्त है, जिसकी वजह से लंबे समय से यह खेल बेरोकटोक चलता रहा। मामले के तूल पकड़ने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारत भूषण ने पूरे प्रकरण पर संज्ञान लिया है। उन्होंने साफ कहा है कि, "यदि किसी कर्मचारी ने अपनी पत्नी या परिजन के नाम से ठेकेदारी की है तो यह पूरी तरह नियम विरुद्ध है। मामले की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

यूपी के इस जिले में फर्जी पैरामेडिकल कॉलेज का भंडाफोड़, संचालक सहित नौ पर मुकदमा, तीन गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अमेठी। शहर में अमेठी इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल एंड साइंस कॉलेज बिना मान्यता के संचालित हो रहा था। एएनएम द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने रविवार को कोतवाली पहुंचकर हंगामा काटा, तो फर्जीवाड़े का राजफाश हुआ।

दूसरे दिन प्रथम वर्ष की छात्राओं के हंगामा करने पर पुलिस हरकत में आई और संचालक प्रिंस उर्फ आजम खान समेत नौ लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। तीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई के बीच कॉलेज में पढ़ने वाले 214 छात्रों का भविष्य दांव पर है। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने संस्था के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि ऐसा नहीं होने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। एएनएम प्रथम वर्ष की छात्राएं सोमवार की सुबह अमेठी इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल एंड साइंस कॉलेज पहुंची और प्रवेश के नाम पर वसूले गए 65 से 70 हजार रुपये वापस किए जाने की मांग की। हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने कॉलेज संचालक गंगागंज निवासी प्रिंस उर्फ आजम खान को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद पुलिस संचालक को कॉलेज लेकर पहुंची, जहां छात्राओं व कॉलेज संबंधित अभिलेख जब्त किए।

छात्राओं की शिकायत पर पुलिस ने संचालक आजम खान, विवेक श्रीवास्तव, विजय मौर्य, बृजेश, दिलीप वाजपेयी, रेहान खान, आलीशान, आयुष तिवारी और शैलेंद्र मौर्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाल रवि कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ के अर्जुन गंज निवासी आयुष तिवारी, आवास विकास कालोनी निवासी विवेक श्रीवास्तव व गंगागंज निवासी प्रिंस उर्फ आजम खान को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई के बाद चालान न्यायालय जेल भेज दिया गया।

बीएचयू में सुरक्षाकर्मियों के सामने 50 छात्रों ने तोड़े नई कार के शीशे, चालक जान बचा एनसीसी यूनिट में भागा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी में बीएचयू में सुरक्षा तंत्र के सामने कैंपस में खुलेआम नई कार में तोड़फोड़ की गई। आरोप है कि मुंह बांधकर करीब 50 की संख्या में ये छात्र बिड़ला हॉस्टल से नरिया रोड पर पहुंचे।

यहां एनसीसी के गेट के सामने सुरक्षा कर्मियों के मौके पर होने के बावजूद कार का शीशा तोड़ डाला। हाथ में बैट और बेल्ट निकाल कर कार के सभी शीशे को तोड़ा और कार चालक को भी मारने की कोशिश की गई, लेकिन कार चालक अपनी जान बचाकर एनसीसी ऑफिस में घुस गया। यह देख छात्र वहां भी घुसने की कोशिश करने लगे मगर तब तक सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया। इस बीच नरिया से लेकर एलबीएस हॉस्टल तक जाम जैसी स्थिति बन गई।

बताया जा रहा है कि बीएचयू का कोई पूर्व छात्र कार लेकर आया था, लेकिन उसकी वर्तमान छात्रों के संग पुरानी रंजिश चल रही थी। आज मौका पाकर मुंह बांधे छात्रों ने जमकर हमला बोल दिया। हालांकि किसी को चोट नहीं आई।

बहलोलपुर कांड पर मोस्ट कल्याण संस्थान ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर। मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में जिला संयोजक राकेश कुमार निषाद के नेतृत्व में बहलोलपुर गांव की चर्चित घटना को लेकर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में लिखा है कि मृतका शिखा गुप्ता की मां सुषमा देवी के अनुसार बीते 30 अगस्त की शाम 4:30 बजे वह मार्कशीट की फोटोकॉपी कराने घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। अगले दिन सुबह उसकी लाश गांव के ही शैलेन्द्र तिवारी के बाग में आम के पेड़ से लटकी मिली। इस मामले में थाना कुड़वार में मुकदमा दर्ज हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बलात्कार और अप्राकृतिक संबंध बनाने की पुष्टि हुई है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए साजिश रची गई और मृतका की हत्या कर उसे पेड़ से लटकाया गया।

मण्डल अध्यक्ष ने सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक से की मुलाकात

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। मुख्य सचिव के आदेश के बाद भी महीने की हर 15 तारीख को होने वाली बैठक न कराए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद कर्मचारी एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने सहायक शिक्षा निदेशक को पत्र दिया। सौंपे गए पत्र में उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद कर्मचारी एसोसिएशन के मण्डल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह पिंटू ने सहायक शिक्षा निदेशक अयोध्या कौस्तुभ कुमार सिंह से मिलकर अवगत कराया है कि मुख्य सचिव के आदेश के बाद भी जनपद स्तर पर विभागाध्यक्ष द्वारा कर्मचारी संगठनो के साथ कोई बैठक नहीं की जा रही है। जिससे कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। जबकि मुख्य सचिव ने अपने पत्र 12 दिसंबर 24 के माध्यम से अवगत कराए है कि समस्त विभागाध्यक्ष कर्मचारी संगठनों के साथ महीने की 15 तारीख को बैठक कर जो जनपद स्तर पर मामले लंबित है उनका निस्तारण कराए। जिसका निस्तारण जनपद स्तर पर न होने लायक हो, उसको शासन को भेजे। जिससे उसका निस्तारण शासन स्तर पर कराया जा सके। उसके बाद भी जनपद स्तर पर विभागाध्यक्षों द्वारा कोई बैठक नहीं की जा रही है। मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने सहायक शिक्षा निदेशक अयोध्या कौस्तुभ कुमार सिंह से मिलकर बैठक कराए जाने का अनुरोध किया है। जिस पर सहायक शिक्षा निदेशक अयोध्या मंडल अयोध्या ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुल्तानपुर, अमेठी, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, व बाराबंकी को पत्र भेज कर कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक कराए जाने का निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में पात्रता श्रेणी का विस्तार किया

निराश्रित महिलाओं और वंचित वर्गों को मिलेगा बड़ा लाभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में पात्रता की प्राथमिकता श्रेणी का विस्तार करते हुए कई वंचित वर्गों को योजना से जोड़ने का निर्णय लिया है।

अब सपेरा (सपेरिया) समुदाय, जो विमुक्त जाति के अंतर्गत आता है, तथा जोगी जाति (अन्य पिछड़ा वर्ग) को भी योजना की प्राथमिकता सूची में शामिल कर लाभ दिया जाएगा।मिली जानकारी के अनुसार जनपद मथुरा की 13 ग्राम पंचायतों में सपेरा समुदाय के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार निवास कर रहे हैं। इसी तरह जनपद प्रयागराज और सहारनपुर में भी इस जाति के परिवार पाए गए हैं। साथ ही जनपद कानपुर देहात के विकास खंड मैथा में जोगी जाति के लगभग 200 निर्धन परिवार चिन्हित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त चेरो अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आने वाले लगभग 250 परिवारों को जनपद चंदौली में योजना में शामिल किया गया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में दैवीय आपदा, विशेष कठिनाई, बेघर परिवार, जीर्ण-शीर्ण आवास और कच्चे घरों में रह रहे गरीबों को निशुल्क पक्का आवास उपलब्ध कराया जाता है। समय-समय पर अति पिछड़े, कमजोर वर्ग और विशेष कठिनाई में जीवन यापन कर रहे लोगों को पात्रता सूची में सम्मिलित कर सहायता प्रदान की जाती रही है। गत वर्ष योजना में पति की मृत्यु के बाद निराश्रित महिलाओं (आयु 18 से 40 वर्ष) को शामिल करने का निर्णय लिया गया था। अब इसे बढ़ाकर 18 से 50 वर्ष कर दिया गया है ताकि अधिक संख्या में निराश्रित महिलाएं लाभान्वित हो सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयु वर्ग की महिलाएं संवेदनशील हैं, जिनमें अधिकांश के छोटे बच्चे होते हैं, और उन्हें सामाजिक व सरकारी सुरक्षा की विशेष आवश्यकता होती है। यह कदम 'मिशन शक्ति' की दिशा में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण प्रयास है।

श्री मौर्य ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए केंद्र और राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में महिलाओं को शिक्षा, उद्यमिता, कृषि और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सशक्त बनाने की पहल की जा रही है।

यह योजना वर्ष 2018 से संचालित है और प्राकृतिक आपदा, कुष्ठ रोग, कालाजार, आर्थिक पिछड़े वर्ग, दिव्यांगजन, मुसहर, वनटांगिया, बंजारा और निराश्रित महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए लाभ प्रदान कर रही है। वर्ष 2024-25 में निराश्रित महिलाओं का सर्वेक्षण कर बड़ी संख्या में आवास आवंटित किए गए थे।उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन पात्र परिवारों के आवास स्वीकृत कर उन्हें शीघ्र पूर्ण कराया जाए। अभी तक योजना के अंतर्गत 3.73 लाख लाभार्थियों को पक्के आवास आवंटित किए जा चुके हैं, जिसमें 3.55 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। विशेष रूप से 50,037 आवास मुसहर वर्ग को, 93,300 आवास दैवी आपदा से प्रभावित लोगों को, 29,923 आवास कोल जाति के लोगों को, 91,062 आवास दिव्यांग जनों को तथा 41,854 आवास निराश्रित विधवा महिलाओं को प्रदान किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना समाज के हर जरूरतमंद के साथ खड़ा होकर उनकी सहायता करने का मजबूत कदम है, जो प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने में सहायक बनेगी।

लखनऊ में स्टेट लेवेल 'राइजिंग स्टार 2025' डांस कॉम्पटीशन आयोजित

गार्गी द्विवेदी ने जीता जूनियर वर्ग में राइजिंग स्टार अवार्ड

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ राइजिंग स्टार 2025 लखनऊ मे राज कुमार इंटर कॉलेज आलमनगर में अयोजित किया गया, जिसमें लगभग 500 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के आयोजक अथर्व तिवारी ने सभी विजेताओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे अत्यंत सफल बताया।

सोलो डांस जूनियर श्रेणी में गार्गी द्विवेदी को 'राइजिंग स्टार' का खिताब मिला, इसके अलावा सीनियर वर्ग में फहीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं निर्णायक मंडल के सदस्य मनीष त्रिपाठी और पावस कुमार सिंह ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जूनियर ग्रुप नृत्य प्रतियोगिता में 1517 डांस एकेडमी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सीनियर ग्रुप में महावीर इंटर कॉलेज विजेता बना।

दुबग्गा क्षेत्र में गौकशी गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस पर फायरिंग कर भागे आरोपी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना दुबग्गा क्षेत्र में बीते दिनों गौकशी की घटना का अनावरण करते हुए पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देश पर क्राइम ब्रांच (पश्चिमी) और स्थानीय थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी। जांच में वासिम, इस्तियाक, मोहम्मद अहमद, सुफियान और रियासत अली का नाम सामने आया था, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।आज दिनांक 15 सितंबर 2025 को सुबह करीब 11 बजे ग्राम समरथ नगर के सामने किसान पथ पर चेकिंग की जा रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ आरोपी गौकशी की घटना को अंजाम देने के लिए सफेद कार से काकराबाद की दिशा में आ रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना दुबग्गा, थाना पारा तथा क्राइम ब्रांच की टीमों ने समरथ नगर अंडरपास के पास सर्विस लाइन पर घेराबंदी कर वाहन की तलाशी शुरू की।चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने सफेद रंग की कार को रोकने का प्रयास किया। आरोपियों ने पुलिस को देखकर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया। घायल आरोपी की पहचान वसीम पुत्र रहीस निवासी ग्राम झबनिया खेड़ा, थाना कासिमपुर, जिला हरदोई, उम्र लगभग 26 वर्ष के रूप में हुई है। उसे पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।घटना के बाद तीन आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गए।

संजय सिंह ने मेहराज मलिक की गिरफ्तारी को बताया गैरकानूनी, भाजपा पर साधा निशाना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने जम्मू-कश्मीर के डोडा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी को पूरी तरह से गैरकानूनी बताया और इसे भाजपा की जनविरोधी मानसिकता करार दिया। उन्होंने कहा कि मेहराज मलिक की गिरफ्तारी के विरोध में पूरा जम्मू-कश्मीर सड़कों पर है और आम आदमी पार्टी इस अन्याय के खिलाफ सदन से लेकर सड़क और अदालत तक हर स्तर पर लड़ाई लड़ेगी।संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा और मोदी सरकार की पुलिस तथा जांच एजेंसियाँ केवल इसलिए सक्रिय हो रही हैं ताकि जहाँ भी आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता बढ़े, वहाँ उसका गला घोंट दिया जाए। उन्होंने कहा कि मेहराज मलिक अस्पतालों और आम

जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे थे, लेकिन भाजपा की पुलिस ने उन पर आतंकवाद से जुड़ी धाराएँ लगाकर गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि हालत इतनी खराब है कि जब वे श्रीनगर में प्रेस वार्ता करने पहुँचे तो उन्हें गेस्ट हाउस में हाउस अरेस्ट कर लिया गया और कई बार मुख्यमंत्री रह चुके फारूक अब्दुल्ला तक उनसे मिलने नहीं दिए गए।संजय सिंह ने भाजपा पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2024 में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मुदस्सिर हुसैन और उनके साथी यूनुस भाई को चुनाव लड़ने के लिए जनता से सहयोग राशि लेने के आधार पर प्रताड़ित किया गया। एक साल बाद जब मेहराज मलिक का मामला तूल पकड़ने लगा तो क्राइम ब्रांच ने उन्हें बुलाकर आठ घंटे तक बेवजह प्रताड़ित किया। वहीं दूसरी ओर भाजपा हजारों करोड़ के घोटालेबाजों को गले लगाकर संरक्षण देती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों को भाजपा सीने से लगाती है जबकि ईमानदार कार्यकर्ताओं को आतंकवादी बताकर जेल में डालती है।संजय सिंह ने मोदी-अडानी रिश्तों पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि भागलपुर, बिहार में मोदी सरकार ने अडानी को एक रुपये में 1050 एकड़ जमीन देकर तीन पावर प्लांट लगाने का सौदा कर लिया। इसके अलावा 25 वर्षों तक ₹7 प्रति यूनिट बिजली खरीदने का वादा भी कर दिया। उन्होंने कहा कि जनता 11 से 12 रुपये प्रति यूनिट बिजली खरीद रही है लेकिन मोदी जी को इसकी कोई चिंता नहीं। उन्होंने कहा कि मोदी भारत के प्रधानमंत्री नहीं बल्कि अडानी के प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने खुलासा किया कि जिस जमीन को कागजों में 70 प्रतिशत बंजर बताया गया, वहाँ आम, लीची और मालदा के दस लाख से अधिक पेड़ लगे हैं।

चिनहट इलाके में गोली चलने और युवक के घायल होने वाले मामले में चिनहट पुलिस का खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के चिनहट थाना अंतर्गत सरे शाम अवैध असलहे से युवक पर फायर कर इलाके में दहशत फैलाने वाले बदमाशों को पुलिस ने दबोचा। राजधानी के चिनहट थाना क्षेत्र अंतर्गत 2 दिन पूर्व शाम को चिनहट थाना क्षेत्र अंतर्गत मटियारी चौकी इलाके के मटियारी गांव स्थित प्रणामी मंदिर पर बैठे युवक यादवेंद्र को विनय तथा अन्य अज्ञात युवकों द्वारा गोली मार दी गई थी जिससे वह घायल हो गया था साथ ही इलाके में दहशत का माहौल हो गया था। डी सी पी पूर्वी शशांक सिंह ने टीम गठित कर आरोपियों के धर पकड़ में लगा दी थी। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी विनय यादव तथा जुल्फी उर्फ सैफ को गिरफ्तार कर लिया जिनके कब्जे से अवैध पिस्तौल तथा कारतूस बरामद किया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है

मतदाता सूची की शुद्धता के लिए समाजवादी पार्टी ने की विशेष पुनरीक्षण में सहयोग की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सहयोग प्रदान करने हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए समाजवादी पार्टी को वर्ष 2003 की मतदाता सूची तथा 07 जनवरी 2025 को अंतिम प्रकाशन के बाद से पुनरीक्षण शुरू करने की तिथि तक की मतदाता सूची निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए। इससे बी.एल.ओ. को बूथ लेवल एजेंट (बी.एल.ए.) पूर्ण सहयोग प्रदान कर सकेंगे और मतदाता सूची को दुरुस्त करने में मदद मिलेगी।ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश के 403 विधान निर्वाचन क्षेत्रों में करीब 1 लाख 90 हजार

पोलिंग स्टेशनों पर लगभग 15 करोड़ 42 लाख मतदाता दर्ज हैं। विशेष पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची को शून्य कर बी.एल.ओ. घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता का सत्यापन करेंगे और "गणना प्रपत्र फार्म" (एन्यूमरेशन फार्म) भरेंगे।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में दर्ज नामों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए बी.एल.ओ. के साथ राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट सहयोग करेंगे। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान मृतक मतदाता, स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता, बहुस्थानीय प्रविष्टियों वाले मतदाता तथा लापता मतदाता आदि के नाम सूची से काटे जाएंगे।प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने यह भी बताया कि 2003 के बाद कई बार पोलिंग स्टेशनों का विभाजन एवं पुनर्गठन हुआ है। बड़ी संख्या में मतदाताओं के बूथ तथा मतदान केन्द्र बदल चुके हैं, जिन्हें चिन्हित करना आवश्यक है। ऐसे में बी.एल.ओ. के साथ सहयोग करने वाले बी.एल.ए. को संबंधित बूथ की मतदाता सूची उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।ज्ञापन सौंपते समय समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता केके श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चन्द्र यादव तथा राधेश्याम सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग की है, जिससे विशेष पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी रूप से संचालित किया जा सके और मतदाता सूची में पारदर्शिता व शुद्धता बनी रहे।

लाटूश रोड मछली मंडी में पेड़ गिरने से एक की मौत, चार घायल, राहत कार्य जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना क्षेत्र लाटूश रोड स्थित मछली मंडी में आज दोपहर करीब 1:20 बजे एक पुराने पीपल के पेड़ के गिरने से बड़ा हादसा हो गया। पेड़ गिरने से पास की दीवार और टीन शेड की कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ लोग उसकी चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और दमकल की टीम को बुलाकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। साथ ही उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी देकर आवश्यक कार्यवाही शुरू की गई मौके पर अधिकारियों की टीम मौजूद है और राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हो चुकी है जबकि चार घायलों को एंबुलेंस की सहायता से बलरामपुर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। प्रशासन की टीम क्षतिग्रस्त दुकानों व दीवार की मरम्मत तथा प्रभावितों को सहायता उपलब्ध कराने में जुटी हुई है।घटना में मृतक की पहचान रामू देवनाथ (70 वर्ष) निवासी शिवलोक त्रिवेणीनगर, थाना अलीगंज के रूप में हुई है। वहीं घायल व्यक्तियों में मो. रिजवान (25 वर्ष), मो. शोएब (27 वर्ष), मो. अरमान रसूल (34 वर्ष) सभी निवासी मछली मोहल्ला, कैसरबाग तथा अभिषेक यादव (25 वर्ष) निवासी बहलिया, थाना मलिहाबाद शामिल हैं।पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि पुराना पेड़ कमजोर होने के कारण गिर गया। फिलहाल राहत कार्य के साथ-साथ नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

ग्रामीण पत्रकारों की पुकार : मुख्यमंत्री को सौंपा सात सूत्रीय ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

गोसाईगंज लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश ने ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं और कल्याण के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ग्रामीण पत्रकार सुदूर क्षेत्रों में जनता की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कठिन परिस्थितियों में भी ये पत्रकार लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान देते हैं। एसोसिएशन ने शासन से मांग की कि उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर त्वरित निर्णय लिए जाएं।

कार्यालय और स्वास्थ्य सुविधा की मांग

जिला अध्यक्ष आर.एल. पाण्डेय ने बताया कि ज्ञापन में लखनऊ में दारुलशफा या ओसीआर में कार्यालय

भवन आवंटन की मांग की गई, ताकि सुदूर जनपदों से आने वाले पत्रकारों को ठहरने और बैठकों की सुविधा मिले। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना में जिला सूचना कार्यालय की सूची में शामिल संवाददाताओं को मुफ्त कैशलेस इलाज की सुविधा देने की मांग है।

बीमा और पेंशन का आग्रह

एसोसिएशन ने ग्रामीण पत्रकारों के लिए बीमा योजना और 60 वर्ष से अधिक आयु के पत्रकारों को पेंशन देने की मांग उठाई। पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले जिला पुलिस के राजपत्रित अधिकारी द्वारा जांच को अनिवार्य करने की भी मांग की गई।

आर्थिक सहायता की मांग

प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में मृत पत्रकारों के परिजनों को किसान बीमा योजना की तर्ज पर 5 लाख और मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपये की सहायता की मांग की गई।

फर्जी पत्रकारों पर कार्रवाई

अवैध वसूली करने वाले फर्जी पत्रकारों की पहचान के लिए जिला स्तर पर स्थायी समिति गठित कर कठोर कार्रवाई का सुझाव दिया गया। इस अवसर पर अभिषेक श्रीवास्तव, लक्ष्मीकांत मिश्रा, फुरकान राईन सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

घर में घुसकर कीमती जेवर चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, भारी मात्रा में जेवरात व मोबाइल बरामद

लखनऊ। दक्षिणी जोन के थाना नगराम पुलिस ने घर में घुसकर कीमती जेवर चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी किए गए सोने-चाँदी के जेवरात व मोबाइल फोन बरामद किया। आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम की उम्मीद जताई जा रही है।थाना नगराम क्षेत्र के ग्राम अब्बास नगर निवासी देवीदीन, जो कि चौकीदार हैं, ने दिनांक 15 सितंबर 2025 को थाना नगराम में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर तीन ठप्पे वाली सोने की माला, एक ठप्पे वाली माला, एक जोड़ी झुमकी, चाँदी की करधनी, पाँच जोड़ी बिछुए, एक जोड़ी पायल तथा एक हजार रुपये नगद चोरी कर लिए।

पुरानी रंजिश में हत्या का प्रयास, दो शातिर आरोपी गिरफ्तार, अवैध पिस्टल व कारतूस बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की पूर्वी जोन व थाना चिनहट पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर हत्या के प्रयास के मामले का खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त एक अवैध .32 बोर पिस्टल, एक मैगजीन और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। यह कार्रवाई थाना चिनहट और पूर्वी जोन की सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्यवाही के तहत की गई।थाना चिनहट में दर्ज मुकदमा संख्या 490/2025 के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने विनय यादव पुत्र स्व. राम सेवक यादव निवासी कंचनपुर मटियारी और जुल्फी उर्फ सैफ पुत्र नसीम अहमद निवासी इब्राहिमाबाद, जनपद बाराबंकी, वर्तमान पता प्रेमबाग बी-बाजार के पीछे, थाना चिनहट, लखनऊ को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों की उम्र क्रमशः लगभग 28 और 22 वर्ष है।जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 में वादी प्रेमदास यादव ने थाना चिनहट में मुकदमा दर्ज कर आरोप लगाया था कि विनय यादव और उसके साथियों ने मारपीट की, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। यह मामला मुकदमा संख्या 611/2024 के तहत दर्ज हुआ था। इसी पुरानी रंजिश के चलते दिनांक 13 सितंबर 2025 को अभियुक्त विनय यादव ने अपने साथियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से यादवेन्द्र सिंह यादव पर प्रणामी मंदिर कंचनपुर मटियारी के प्रांगण में गोली चलाई। घटना में यादवेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद मुकदमा संख्या 490/2025 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

लखनऊ में वाहन चोरी का पर्दाफाश, शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की थाना चौक पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना चौक पुलिस ने आज एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान समीर उर्फ छोटू पुत्र मोबिन निवासी ग्राम करमहना, थाना गौरा, जनपद बलरामपुर, जो वर्तमान में लाल मस्जिद के पास किराये के मकान में बारूदखाना थाना वजीरगंज, लखनऊ में रह रहा था, के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 21 वर्ष है।पुलिस के अनुसार, दिनांक 15 सितंबर 2025 को संदीप कुमार चौरसिया निवासी मड़ियाव ने थाना चौक में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि वह सुबह करीब आठ बजे ट्रामा सेंटर दवा लेने आए थे और अपनी बजाज पल्सर मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या UP32PH1488) गेट नंबर 16 के पास खड़ी कर अंदर चले गए थे।

राजाजीपुरम परिक्षेत्र उद्योग व्यापार मंडल का भव्य प्रमाण पत्र वितरण समारोह सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम परिक्षेत्र में उद्योग व्यापार मंडल द्वारा भव्य प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मंत्री नरेंद्र कश्यप रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने की। समारोह में व्यापार जगत के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अवनीश दीक्षित 'हनी', राघवेंद्र शुक्ला, प्रकाश मिश्रा और पूर्व राज्य मंत्री सुनील मिश्रा, जो कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट की गवर्निंग बॉडी के सदस्य भी हैं, शामिल हुए। समारोह में संगठन के अध्यक्ष उमेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ महामंत्री सुशील तिवारी 'सोनू पंडित', महामंत्री विशाल कोहली

'सोनू भाई', सौरभ शर्मा, दीपक सहगल, मनीष मिश्रा, दीपू यादव, डॉ. दिनेश माथुर, चेयरमैन आरिफुल हसन आरिफ, कार्यवाहक अध्यक्ष सचिन रस्तोगी सहित अन्य पदाधिकारियों को माननीय मंत्री नरेंद्र कश्यप ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।अपने संबोधन में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने व्यापारियों को सरकार की रीढ़ की हड्डी बताया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के सहयोग से ही प्रदेश और केंद्र में सरकार बन सकी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उनकी सरकार व्यापारी वर्ग के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि जहाँ भी व्यापारियों को सहायता की आवश्यकता होगी, सरकार हर संभव मदद करेगी।लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने राजाजीपुरम परिक्षेत्र व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उन्हें बधाई दी और व्यापारिक हितों की रक्षा व संगठन के विस्तार के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर संगठन महामंत्री राजकुमार विश्वकर्मा, मीडिया महामंत्री क. मोदनवाल, दीपू अग्रवाल, सुखपाल सिंह, संतोष, विधिक सलाहकार धर्मेंद्र शर्मा, संरक्षक वसीम अहमद, गुड्डू भाई, राजीव त्रिपाठी, गुलशन सचदेवा, एच.पी. सिंह, गोपाल गुप्ता, राधे-राधे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, अरुण निगोटिया, कौशल त्रिपाठी, पुष्कर पांडे, संजय सिंह, जसवीर सिंह, सरवन उपाध्याय, प्रतीक राय, मोहम्मद सैयद, लल्लन यादव, सर्वेश कुमार यादव, रियान अली, कृपा शंकर मिश्रा, सुधीर अवस्थी, अमित मिश्रा, राजू खुराना, सत्येंद्र श्रीवास्तव, अनूप द्विवेदी, अजय कुमार गुप्ता, अशोक रुपीजा, मयंक बाजपेई, रामनरेश यादव, अनुराग सिंह, राजुल मेहता, निर्देश यादव, आलोक मिश्रा, पिंटू गुप्ता, जीतू शुक्ला, लक्ष्य द्विवेदी, चांद मोहम्मद, आदित्य बाजपेई, राजेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी गण एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए अध्यक्ष उमेश कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और व्यापारियों का आभार व्यक्त किया। समारोह ने व्यापारिक समुदाय को एकजुट होकर आगे बढ़ने, नवाचार अपनाने और सरकार से समन्वय बढ़ाकर विकास की नई दिशा में कार्य करने की प्रेरणा दी।

नेपाल से सीखा सबक! भारत में आंदोलनों का अध्ययन कर भविष्य की रणनीति बनाएगी मोदी सरकार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह निर्देश दिया है कि 1974 से अब तक देश में हुए प्रमुख आंदोलनों का गहन अध्ययन किया जाए, ताकि यह समझा जा सके कि किन कारणों से बड़े पैमाने पर असंतोष पनपता है और भविष्य में 'स्वार्थी तत्वों' द्वारा आंदोलन की आड़ में अशांति फैलाने की संभावनाओं को रोका जा सके। देखा जाये तो 1974 का वर्ष भारतीय राजनीति में विशेष महत्व रखता है। यह वही दौर था जब जेपी आंदोलन ने बिहार से उठकर राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण किया और अंततः 1975 में आपातकाल की पृष्ठभूमि बनी। उसके बाद से छात्र आंदोलनों, किसान आंदोलनों, आरक्षण विरोधी और समर्थनकारी आंदोलनों, अन्ना हज़ारे का भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन, शाहीन बाग का नागरिकता संशोधन कानून विरोध और हालिया किसान आंदोलन, ये सभी भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के निर्णायक पड़ाव रहे हैं। देखा जाये तो अमित शाह का यह कदम मात्र अतीत की घटनाओं की सूची तैयार करना नहीं है, बल्कि आंदोलन की प्रकृति, उनकी पृष्ठभूमि, उनसे हुई सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल और उनके सकारात्मक या नकारात्मक परिणामों को समझना है। सवाल यह है कि कौन-से आंदोलन वास्तविक जनआकांक्षाओं के प्रतिनिधि थे? किन आंदोलनों को संगठित समूहों या बाहरी ताकतों ने दिशा दी? आंदोलन कब लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने और कब हिंसा या अराजकता में बदल गए? इन सवालों का उत्तर ढूंढ़ना इस अध्ययन का मूल मकसद प्रतीत होता है।

मोदी सरकार की इस कवायद के वर्तमान संदर्भ में मायने समझें तो इसके लिए हमें यह देखना होगा कि आज भारत ऐसे समय में है जब सूचना और संचार तकनीक ने आंदोलन करने की शैली को बदल दिया है। सोशल मीडिया के ज़रिए आंदोलन बहुत तेज़ी से आकार ले सकते हैं। साथ ही स्थानीय असंतोष देखते-देखते राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। इसके अलावा, विपक्षी दल और अंतरराष्ट्रीय मंच भी आंदोलनों को राजनीतिक रंग देने में सक्रिय रहते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में गृह मंत्रालय की इस पहल के कई मायने हैं। जैसे- सरकार आंदोलन के पीछे छिपी वास्तविक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को समझकर बेहतर नीतियाँ बना सकेगी। साथ ही अगर किसी आंदोलन को विदेशी या विध्वंसकारी ताकतें भड़काती हैं, तो उनकी पहचान करना आसान होगा। इसके अलावा, मोदी सरकार यह भी दर्शाना चाहती है कि वह लोकतांत्रिक अधिकारों और अनुशासन के बीच संतुलन कायम रखने के पक्ष में है। मोदी सरकार का यह निर्णय यह भी बताता है कि केंद्र सरकार आंदोलनों की राजनीति को सिर्फ तात्कालिक चुनौती नहीं मानती, बल्कि दीर्घकालिक नीति-चिंतन के विषय के रूप में देख रही है। हालाँकि, सरकार के इस फैसले की आलोचनाएँ होनी भी संभव हैं। विपक्ष इसे 'आंदोलनों को बदनाम करने की कोशिश' कह सकता है। देखा जाये तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन असहमति जताने का वैध साधन हैं, ऐसे में उनका अध्ययन करने को कुछ लोग नागरिक अधिकारों पर अंकुश की तैयारी मान सकते हैं। वैसे अमित शाह का यह निर्णय केवल अतीत को खंगालने का नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीति को दिशा देने का प्रयास है। यह कदम यह स्पष्ट करता है कि केंद्र सरकार आंदोलन की राजनीति को हल्के में नहीं ले रही और उसे राष्ट्रीय सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जोड़कर देख रही है। अब देखना होगा कि यह अध्ययन संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है या फिर केवल आंदोलनों को ₹स्वार्थी तत्वों' की कारस्तानी करार देने तक सीमित रह जाता है। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि नेपाल में जेन-ज़ेड युवाओं के आंदोलन ने यह दिखाया है कि नई पीढ़ी पारंपरिक राजनीति से असंतोष प्रकट करने के लिए सड़कों पर उतरने से हिचकती नहीं। इसके अलावा, दक्षिण एशिया के अन्य देशों— जैसे बांग्लादेश और श्रीलंका में भी हाल में जन आंदोलनों ने सत्ता परिवर्तन या राजनीतिक उथल-पुथल को जन्म दिया है। दुनिया के अन्य हिस्सों में अरब स्प्रिंग के उदाहरण से यह स्पष्ट हो चुका है कि जनता की असंतुष्टि, यदि समय रहते संभाली नहीं जाए, तो वह तख़्तापलट या शासन परिवर्तन का कारण बन सकती है। इसी पृष्ठभूमि में नरेंद्र मोदी सरकार का 1974 से अब तक के आंदोलनों का अध्ययन करने का निर्णय महत्वपूर्ण प्रतीत होता है। यह कदम केवल अतीत के आंदोलनों का विश्लेषण भर नहीं है, बल्कि भविष्य में असंतोष को किस रूप में प्रकट होने से रोका जाए, इसकी रणनीति तैयार करने की दिशा में उठाया गया कदम भी लगता है। बहरहाल, देखा जाये तो भारत एक बड़ा लोकतंत्र है और यहाँ आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार भी हैं, किंतु अगर इन आंदोलनों को बाहरी ताक़तें या संगठित हित समूह मोड़ देते हैं तो वे राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए चुनौती बन सकते हैं। नेपाल या श्रीलंका जैसी स्थितियाँ भारत में नहीं उत्पन्न हों, यह सुनिश्चित करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है।

डाक्टर को बीमारी के बारे में खुलकर बताएं, सही इलाज पाएं

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस (17 सितम्बर) पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

इस साल विश्व रोगी सुरक्षा दिवस की थीम "हर शिशु और हर बच्चे के लिए सुरक्षित देखभाल" तय की गयी है।

रोगियों की बेहतर देखभाल और उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया कराने के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 17 सितम्बर को विश्व रोगी सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इसका मकसद रोगियों, चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को जागरूक करना है कि एक-दूसरे की सुरक्षा के प्रति उनको किन प्रमुख बिन्दुओं का खास ख्याल रखना है। रोगी यदि चिकित्सक के पास जा रहा है तो उसके पास उन बिन्दुओं की सूची अवश्य होनी चाहिए जिससे वह पीड़ति है, जरूरी जांच की रिपोर्ट या पुरानी कोई बीमारी है तो उसके इलाज के पर्चे जरूर होने चाहिए। मरीज जब खुलकर और सच्चाई के साथ अपनी समस्या बताएगा तभी उसका सटीक और बेहतर इलाज संभव हो पाएगा।

इस साल विश्व रोगी सुरक्षा दिवस की थीम "हर शिशु और हर बच्चे के लिए सुरक्षित देखभाल" तय की गयी है। इसका उद्देश्य जन्म के साथ ही नवजात को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के साथ ही सुरक्षित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी है। हर बच्चे के जन्म के पहले हजार दिन यानि नौ माह (270 दिन) गर्भ के और जन्म के पहले दो साल (730 दिन) स्वस्थ जीवन के आधार होते हैं। इन हजार दिनों में बच्चे के खानपान, टीकाकरण और स्वच्छता आदि का पूरा ख्याल रखा जाए तो आगे चलकर शरीर बीमारियों से लड़ने में पूरी तरह सक्षम बन जाता है। आज के इस दिवस पर समुदाय स्तर पर इन जरूरी संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हर किसी की बनती है।

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस पर इस पर भी ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है कि किस तरह एक गर्भवती की देखभाल की जाए ताकि उसके सुरक्षित प्रसव का मार्ग सुनिश्चित किया जा सके। महिला जागरूक बने और खुद तय करे कि उसे कब और कितने बच्चे चाहिए। इसके अलावा मरीजों की देखभाल करने वालों को जागरूक बनाने के साथ उनका सशक्तिकरण भी जरूरी है ताकि वह चिकित्सक के बताए अनुसार समय से दवाएं और रोगी के खानपान का ख्याल रख सकें। इसके अलावा संक्रमण से बचने के जरूरी प्रोटोकाल को अवश्य अपनाएं। चिकित्सक को मरीज और उसके देखभाल करने वाले को पहले से यह अवगत करा देना चाहिए कि दवाओं के सेवन से क्या शारीरिक बदलाव आ सकते हैं, इसलिए उससे घबराने की जरूरत नहीं है। यदि मरीज पर किसी तरह की दवा का दुष्प्रभाव नजर आता है तो चिकित्सक को तत्काल उसकी मदद को आगे आना चाहिए।

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर से गांधी जयंती (दो अक्टूबर) तक विशेष सेवा पखवाड़ा भी देश में शुरू किया जा रहा है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग "स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार" अभियान चलाएगा। यह अभियान पूरी तरह से महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित होगा। इस दौरान स्वास्थ्य इकाइयों पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेलों में आने वाले बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण को भी अभियान का अहम हिस्सा बनाकर स्वास्थ्य मेलों में महिलाओं और बच्चों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। स्वास्थ्य मेलों में सभी सामुदायिक चिकित्सालयों पर स्त्री रोग, नेत्र रोग ई.एन.टी., चर्म रोग, मानसिक स्वास्थ्य तथा अन्य विशेषज्ञों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोगों का निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविरों पर आयुष विभाग के स्टाल के माध्यम से स्वस्थ्य रहने के लिए लोगों को स्वस्थ दिनचर्या, सही आहार, योग और व्यायाम अपनाने के बारे में प्रेरित किया जाएगा। विशेष सेवा पखवाड़ा के दौरान रक्तदान शिविरों का भी आयोजन किया जाएगा ताकि रक्त कोष में आपात स्थितियों में जरूरतमंदों के लिए पर्याप्त रक्त का भंडार सुनिश्चित किया जा सके। इन शिविरों के आयोजन में विभिन्न विभागों का सहयोग भी लिया जाएगा ताकि सेवा पखवाड़े का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिल सके। इस दौरान स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। बारिश के बाद संक्रामक खासकर मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ने का अंदेशा रहता है इसलिए सफाई का खास ख्याल रखना जरूरी है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जेक्युटिव डायरेक्टर हैं)

अजब-गजब

मरने ही वाली थी, डिलीवरी बॉय ने बचाई महिला की जान, अब हो गया मालामाल

कहते हैं कि अच्छे काम करने का फल हमेशा अच्छा ही मिलता है। चीन के एक डिलीवरी बॉय पर ये कहावत बिल्कुल फिट बैठती है। दरअसल, एक चीनी महिला अपनी ही कंपनी के फ्रीजर में बंद हो गई थी और वो मरने वाली थी, लेकिन वहां से गुजर रहे एक डिलीवरी बॉय ने उसकी मदद की गुहार सुनी और उसकी जान बचा ली। फिर क्या था, महिला उस डिलीवरी बॉय पर इतनी मेहरबान हुई कि उसे मालामाल कर दिया। उसने 'आव देखा न ताव' सीधे अपनी कंपनी के शेयर उसे देने का ऑफर दे दिया। इस मामले ने हर किसी को हैरान कर दिया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य चीन के हुनान प्रांत की चेन (उपनाम) नाम की ये महिला 31 अगस्त की शाम को अपनी कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स कंपनी के फ्रीजर में अकेले प्रोडक्ट्स की छंटाई कर रही थी। उसने बताया कि फ्रीजर के मेन गेट में एक छोटा दरवाजा बना हुआ है और सुरक्षा नियमों के अनुसार छोटे दरवाजे से सामान ले जाने के लिए दो लोगों की जरूरत होती है। हालांकि चेन ने कहा कि उस दिन वह लापरवाह हो गई थी और सामान ले जाने के लिए उसने दरवाजा पूरी तरह से खोल दिया था। फिर सामान को फ्रीजर के अंदर ले जाने के बाद उसने दरवाजा कसकर बंद कर दिया, ताकि बाहर से आने वाली गर्मी से कार्डबोर्ड बॉक्स गीले न हो जाएं। उसके बाद जैसे ही उसने अपना काम खत्म किया, उसे पता चला कि दरवाजा नहीं खुल रहा था और बैकअप स्विच भी टूट गया था। ऐसे में वो फ्रीजर के अंदर ही फंस गई थी। उसने गर्मियों के हिसाब से कपड़े पहने हुए थे और उसके पास फोन भी नहीं था कि किसी को कॉल करके मदद ले सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 वर्ग मीटर में बना फ्रीजर मेन रोड से दूर था और जिस समय महिला अंदर फंसी थी, उस समय वहां से बहुत कम लोग गुजर रहे थे। सबसे डराने वाली बात ये थी कि फ्रीजर का तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस नीचे सेट किया गया था। अब ऐसे में चेन को लगने लगा कि जब तक लोगों को उसके लापता होने का पता नहीं चलेगा, वह शायद इतनी ठंड में जिंदा नहीं रह पाएगी। हालांकि फिर भी उसने कोशिश की और पकौड़ों का एक भारी डिब्बा दरवाजे पर पटक दिया, ताकि कोई उसकी आवाज सुन सके और उसकी मदद के लिए आ सके, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। महिला ने तब भी हार नहीं मानी और जब भी उसे वहां से किसी के गुजरने की आवाज आती, वह अपनी चप्पल से दरवाजा खटखटाने लगती। सौभाग्य से एक युवा डिलीवरी बॉय लियू जू ने चेन की पुकार सुनी और उसकी मदद के लिए गया। करीब 20 मिनट तक फ्रीजर में फंसे रहने के बाद लियू ने महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि इस दौरान वह ठंड से बुरी तरह कांप रही थी। उसे ठीक से होश में आने में करीब 2 घंटे लग गए। बाद में महिला ने बताया, 'अगर किसी ने मेरी बात नहीं सुनी होती तो मैं निश्चित रूप से ठंड से मर जाती'। उसने जान बचाने के बदले में लियू को अपनी कंपनी में हिस्सेदारी देने की बात कही है।

ब्लॉग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन (17 सितंबर) पर विशेष

मोदी की बातों में है माटी की महक: प्रधानमंत्री का संवाद देश और दिलों को जोड़ता है

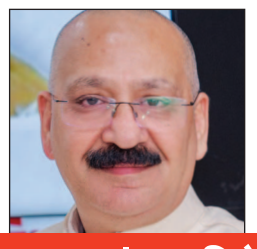

प्रो. (डा.) संजय द्विवेदी

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना 75 वां जन्मदिन बुधवार को मनाएंगे। उनकी जीवन यात्रा रचना, सृजन और संघर्ष की त्रिवेणी है। उनके व्यक्तित्व का सबसे खास पक्ष है संचार और संवाद। भारत जैसे महादेश को संबोधित करना आसान नहीं है। इस विविधता भरे देश में वाक चातुर्य से भरे विद्वानों, राजनेताओं, प्रवचनकारों और अदीबों की कमी नहीं है। अपनी वाणी से सम्मोहित कर लेने वाले अनेक विद्वानों को हमने सुना और परखा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षमताएं उनमें विलक्षण हैं। वे हमारे समय के अप्रतिम संचारकर्ता हैं। संचार का विद्यार्थी होने के नाते मैं उनकी तरफ बहुत विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखता हूं, किंतु वे अपनी देहभाषा, भाव-भंगिमा, शब्दावली और वाक चातुर्य से जो करते हैं, उसमें कमियां ढूंढ पाना मुश्किल है। उनका आत्मविश्वास और शैली तो विलक्षण है ही, वे जो कहते हैं उस बात पर भी सहज विश्वास करने का मन होता है। मोदी सही मायने में संवाद के महारथी हैं। वे जनसभाओं के नायक हैं तो एक्स जैसे नए माध्यमों पर भी उनकी तूती बोलती है। पारंपरिक मंचों से लेकर आधुनिक सोशल मीडिया मंचों पर उनकी धमाकेदार उपस्थिति बताती है संवाद और संचार को वे किस बेहतर अंदाज में समझते हैं।

गुजरात के एक छोटे से कस्बे बड़नगर में पले-बढ़े नरेंद्र मोदी में ऐसा क्या है जो लोंगों को सम्मोहित करता है? उनकी राजनीतिक यात्रा भी विवादों से परे नहीं रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें जिस तरह निशाना बनाकर उनकी छवि मलिन करने के सचेतन प्रयास हुए, वे सारे प्रसंग लोकविमर्श में हैं। बावजूद इसके वे हिंदुस्तानी समाज के नायक बने हुए हैं तो इसके पीछे उनकी संप्रेषण कला और देहभाषा का अध्ययन प्रासंगिक हो जाता है। नरेंद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो कभी सांसद नहीं थे और पहली बार लोकसभा पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री बने। 2014 के आमचुनावों की याद करें तो देश किस तरह निराशा और अवसाद से भरा हुआ था। लोग राजनीति और राजनेताओं से उम्मादें छोड़ चुके थे। अन्ना आंदोलन से एक अलग तरह का गुस्सा लोगों के मन में पनप रहा था। तभी एक आवाज गूंजती है 'मैं देश नहीं झुकने दूंगा।' दूसरी आवाज थी 'अच्छे दिन आने वाले हैं।' ये दो आवाजें थीं नरेंद्र मोदी की, जो देश को एक विकल्प देने के लिए मैदान में थे। राजनीति में आश्वासनपरक आवाजों का बहुत मतलब नहीं होता, क्योंकि राजनीति तो सपनों और आश्वासनों के आधार पर ही की जाती है। किंतु नरेंद्र मोदी ने इस दौर में जो कुछ कहा उसे देश ने बहुत ध्यान से सुना। उनका दल लंबे समय से सत्ता से बाहर था और वे अपने दल की ओर से प्रधानमंत्री के उम्मीदवार बनाए जा चुके थे। जाहिर है अवसाद और निराशा से भरी जनता को एक अवसर था परख करने का। मोदी इस अवसर का लाभ उठाते हैं और जनता के मन में भरोसा जगाने का प्रयास करते हैं। वे लगातार अपनी सभाओं में कहते हैं कि वे ही इस देश को उसके संकटों से उबार सकने की क्षमता से लैस हैं। जनता मुग्ध होकर उनके भाषणों को सुनती है। अपनी अप्रतिम संवादकला से वे लोगों में यह भरोसा जगाने में सफल हो जाते हैं कि वे कुछ कर सकते हैं।

2014 में मोदी सत्ता में आते हैं और संचार के सबसे प्रभावकारी माध्यम को साधते हैं। वे आकाशवाणी पर 'मन की बात' के माध्यम से लोगों से संवाद का अवसर चुनते हैं। यानि उनका संवाद अवसर और चुनाव केंद्रित नहीं है, निरंतर है। उनमें एक सातत्य है। बदलाव के लिए, परिवर्तन के लिए, लोकजागरण के लिए। वे मन की बात को राजनीतिक विमर्शों के बजाए लोकविमर्शों का केंद्र बनाते हैं। जिसमें जिंदगी की बात है, सफाई की बात है, शिक्षा और परीक्षा की बात है, योग की बात है। मन की बात के माध्यम से वे खुद को एक ऐसे अभिभावक की तरह पेश करने में सफल होते हैं, जिसे देश और देशवासियों की चिंता है। संवाद की यही सफलता है और यही उसका उद्देश्य है। अपने लक्ष्य समूह को निरंतर अपने साथ जोड़े रखना मोदी की संवाद कला की दूसरी सफलता है। करोना संकट में भी हमने देखा कि उनकी अपीलों को किस तरह जनमानस ने स्वीकार किया, चाहे वे करोना वारियर्स के सम्मान में दीप जलाने और थाली बजाने की ही क्यों न हों। यह बातें बताती हैं कि अपने नायक पर देश का भरोसा किस तरह कायम है।

मोदी अपनी देहभाषा से कमाल करते हैं। कई बार चौंकाते भी हैं। देश की गहरी समझ भी इसका बड़ा कारण है, यही कारण है वे देश के जिस हिस्से में होते हैं वहां की स्थानीय बोली, वस्त्रों और प्रतीकों का सचेत इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही उनकी पोशाकें, उनका हाफ कुर्ता, जैकेट्स आज एक तरह से स्टाइल स्टेटमेंट है। उनका अनुसरण कर नौजवान आज खद्दर और सूती कपड़ों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हम विश्लेषण करें तो पाते हैं कि उनका समर्पित जीवन और ईमानदारी से उनकी वाणी का भी एक रिश्ता है। जब हम सिर्फ बोलते हैं तो उसका असर अलग होता है। किंतु अगर हम जो बोलते हैं उसमें कृतित्व भी शामिल हो तो बात का असर बढ़ जाता है। नरेंद्र मोदी अपनी असंदिग्ध ईमानदारी, राष्ट्रनिष्ठा और देशभक्ति के प्रतीक हैं। उनका समूचा जीवन राष्ट्र के लिए अर्पित है। ऐसा व्यक्ति जब कोई बात कहता है तो उसका असर बहुत ज्यादा होता है। क्योंकि आपकी वाणी को आपके जीवन का समर्थन है। सिर्फ देश की बात करना और देश के लिए जीना दो बातें हैं। मुझे लगता है जीवन और कर्म में एक रूप होने के नाते मोदी बाकी राजनेताओं से बहुत आगे निकल जाते हैं। क्योंकि उनकी राष्ट्रनिष्ठा पर सबको भरोसा है, इसलिए उनकी वाणी पर भी सहज विश्वास आता है। इस तरह उनकी वाणी 'भाषण' न होकर 'ह्दय से ह्दय के संवाद' में बदल जाती है। लोंगों को भरोसा है कि वे हमारी ही बात कर रहे हैं और हमारे लिए ही कर रहे हैं। मोदी ने अपनी साधारण पृष्ठभूमि की बात कभी छिपाई नहीं, जब भी उनकी साधारण स्थितियों का मजाक बनाया गया तो उसे भी उन्होंने एक सफल अभियान में बदल दिया। 'चाय पर चर्चा' का कार्यक्रम किस तरह बना, उसके संदर्भ हम सबके ध्यान में हैं। नरेंद्र मोदी सही मायने में सामान्य जनों में भरोसा जगाते हैं कि अगर संकल्प हों, इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति क्या नहीं कर सकता। यह एक बात लोगों को उनसे कनेक्ट करती है। अनेक राजनेता हैं, जो साधारण पृष्ठभूमि से आए हैं। किंतु उनका या तो अपनी जड़ों से उनका रिश्ता टूट गया है या वे उन विथिकाओं को याद नहीं करना चाहते। जबकि नरेंद्र मोदी अपनी जड़ों को नहीं भूलते वे हमेशा उसे याद करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं। यही कारण है उनका कनेक्ट सीधा जनता से बनता है। वे प्रधानमंत्री होकर भी अपने से नजर आते हैं। संचार, संवाद और पोजिशिनिंग की यह कला उनमें सहज है। बिना जतन के भी वे इन सबको साधते हैं और साधते रहेंगें क्योंकि आसमान पर होकर भी माटी की सोंधी महक उन्हें जड़ों से जोड़े रखती है। इसलिए उनका संवाद दिलों को जोड़ता है, देश को भी।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

तीन कमरों का एक मकान, रह रहे थे 4271 वोटर!

यूपी में पंचायत चुनाव से पहले AI सर्वे ने खोली पोल

आर्यावर्त संवाददाता

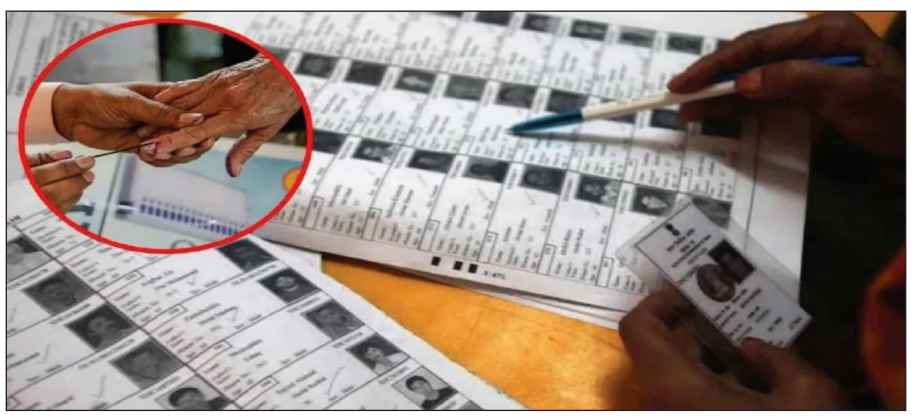

महोबा। उत्तर प्रदेश से चुनाव में धांधली की खबरें सामने आना आम सी बात है। इस बार महोबा से भी ऐसी ही कुछ सामने आई है। यहां पंचायत चुनाव से पहले ऐसी धांधली देखने को मिली जिसे जानकर खुद चुनाव आयोग के अधिकारियों के भी होश फाख्ता हो गए। यहां एक घर में 4271 मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन पाया गया है, जो कि अपने आप में ही एक अचंभा है। हैरानी की बात ये भी है कि इस गांव में कुल वोटरों की संख्या 16000 है। 4271 वोटर वाले फर्जीवाड़े का खुलासा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) से कराए जा रहे सर्वे में हुआ है।

मामला महोबा में जैतपुर गांव का है। एआई ने इस गांव में एक ऐसे वोटर समूह को चिन्हित किया है, जिसमें कुल 4271 वोटर हैं। इन सभी वोटर्स का पता एक तीन कमरों का मकान बताया गया है। आयोग के अधिकारियों ने इसकी सच्चाई पता लगाने के लिए BLO को मौके पर भेजा। जब मकान मालिक को इसकी जानकारी दी गई तो वह खुद हैरान रह गए। बताया कि उन्हें खुद नहीं पता कि इतने सारे वोट उनके पते पर कैसे बन गए और ये किन लोगों के वोट हैं।

एक ही घर से चुने जा सकते हैं BDC मेंबर

बड़ी बात यह है कि ये सभी वोट प्रधानी के चुनाव में जिस भी प्रत्याशी को पड़ जाएं तो उसकी जीत सुनिश्चित है। यही नहीं, गांव में इन्हीं वोटों की बदौलत दो ग्राम पंचायत सदस्य एवं ब्लाक पंचायत सदस्य का भी चुनाव हो सकता है। हालांकि, अब घर के वास्तविक वोटों को चिन्हित करने के बाद निर्वाचन आयोग ने बाकी वोटों को फर्जी करार देते हुए उन्हें रद्द करने की कवायद शुरू कर दी है। इससे पहले महोबा में ही एक पनवाड़ी के पते पर 243 वोटों को चिन्हित किया गया था।

पंचायत चुनाव से पहले हो रहा सर्वे

उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया है। यह कार्यक्रम 20 सितंबर तक चलेगा। इस कार्यक्रम के तहत आयोग एआई के जरिए बोगस वोटों की पहचान शुरू की है। एआई द्वारा चिन्हित किए गए बोगस वोटों की संबंधित एरिए के बीएलओ द्वारा भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। इसी क्रम में महोबा के जैतपुर गांव में मकान नंबर 803 में 4271 मतदाताओं के नाम चिन्हित किए गए हैं। महोबा एडीएम कुंवर पंकज के मुताबिक वोटर लिस्ट में मौजूद त्रुटियों में सुधार कराया जा रहा है।

ग्रामीण अंचल के पत्रकारों की तरफ ध्यान नहीं दे रहा प्रशासन : संतोष शुक्ला

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उप्र बाराबंकी के जिलाध्यक्ष संतोष शुक्ला के नेतृत्व में मंगलवार को संगठन से जुड़े कई दर्जन पत्रकार साथियों के साथ सात सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी शषांक त्रिपाठी को सौंपा। इस मौके पर बोलते हुए जिलाध्यक्ष संतोष शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण अंचल के पत्रकारों के सामने तरह-तरह की समस्याएं होती हैं जिनका समाधान नहीं हो पाता। सात सूत्रीय मांग अंतर्गत राज्य मुख्यालय लखनऊ में शासन की ओर से अन्य संगठनों की तरह कार्यालय हेतु भवन का आवंटन किया जाए जिससे सुदूर जनपदों से आने वाले पत्रकारों को रूकने तथा प्रदेश स्तरीय बैठक करने की समस्या न हो। उन्होने आगे कहा कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों की तरह ही ग्रामीण पत्रकारों को भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाए जिससे स्वयं और उनके परिवार कैशलेस इलाज करा सकें, इस योजना में सिर्फ अखबार कार्यालयों में कार्यरत संवाददाताओं को शामिल किया जाए जिनकी सूची जिला सूचना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। जिलाध्यक्ष श्री शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण पत्रकारों को शासन स्तर से बीमा योजना में शामिल किया जाए साथ ही लंबे समय से आंचलिक पत्रकारिता कर रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग ग्रामीण पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ दिया जाए, उनकी सूची भी जिला सूचना कार्यालय के माध्यम से तैयार हो, पत्रकारों के विरुद्ध फर्जी मुकदमे दर्ज करने से पहले पुलिस प्रशासन राजपत्रित अधिकारी से जांच कराया जाए ताकि पत्रकारों का उत्पीड़न रोका जा सके। राज्य, जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त पत्रकार स्थाई समिति की भांति तहसील स्तर पर भी प्रशासनिक अफसरों के साथ ग्रामीण पत्रकारों की नियति बैठक कराई जाए, शासन के निर्देशानुसार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सभी संबंधित तहसील अध्यक्षों को इसमें अनिवार्य रूप से शामिल करना समय की मांग होगी तथा प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में मृत पत्रकार को किसान बीमा योजना की तरह तत्काल पांच लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाए. इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष से 20लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाए, ताकि शोकग्रस्त परिवार को संकट की घड़ी में सहारा मिल सके। इसकी सूची भी जिला सूचना कार्यालय से तैयार की जाए। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रुप से ग्रामीण पत्रकार एसोसिएषन के अयोध्या मण्डल उपाध्यक्ष राकेश गिरि, श्रीनिवास त्रिपाठी, अजीज अहमद अज्जू, उमेश चंद्र श्रीवास्तव, पाटेष्वरी प्रसाद, अंकित मिश्रा, रंजीत गुप्ता, नीरज शुक्ला, मनीष सिंह, लवकुश शरण आनंद, पीयूष वर्मा, पटेल, अब्दुल मुईद सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

सौरभ मर्डर केस : मैनेजर की नौकरी करने वाला साहिल जेल में कर रहा ये काम, कितना मिल रहा पैसा?

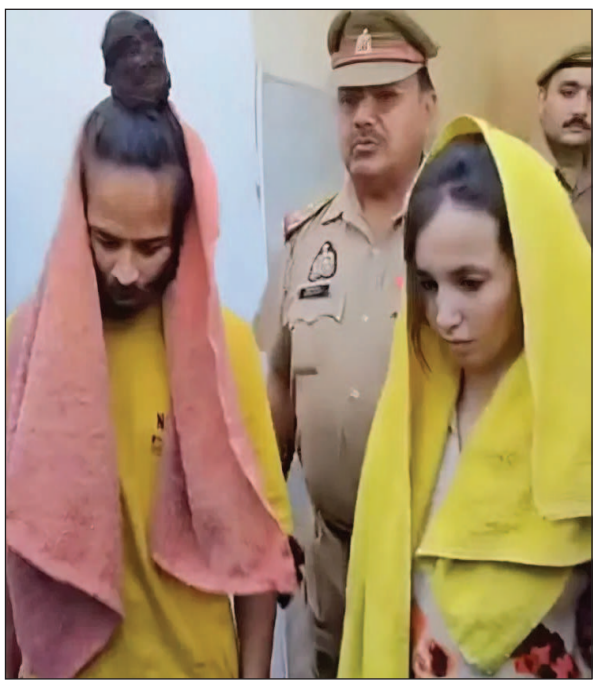

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ के सौरभ हत्याकांड की देशभर में चर्चा हुई। कई महीनों तक ये केस सुर्खियों में बना रहा। अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर मुस्कान ने अपने पति सौरभ की बेहरमी से हत्या कर दी थी। इसके बाद उसने सौरभ की लाश को नीले ड्रम में रख दिया। इस नीले ड्रम केस के दोषी साहिल और मुस्कान दोनों मेरठ की जेल में बंद हैं। साहिल और मुस्कान दोनों नशे के आदी के थे, लेकिन अब जेल में रहते हुए साहिल की जिंदगी पूरी तरह से बदल गई है।

साहिल ने कैदियों से बातचीत में कहा कि मुस्कान से दोस्ती करना उसकी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती थी, जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ रहा है। साहिल जेल में रहते हुए खेती कर रहा है और मेहनत कर रहा है। जेल वरिष्ठ अधीक्षक ने साहिल को लेकर बताया कि साहिल ने अपनी जिंदगी की एक अलग शुरुआत की है। अब उसने नशे को छोड़ दिया है और मेहनत से काम कर रहा है।

साहिल को रोज मिलते हैं 40 रुपये

जेल में खेती करने के साहिल को रोज के 40 रुपये दिए जाते हैं। उसे छुट्टियां काटकर 900 से 1000 रुपये तक महीने में मिलते हैं। जेल अधीक्षक ने बताया कि साहिल अब अच्छा काम करने लगा है। उसे फसलों और मौसम की अच्छी जानकारी हो गई है। वह बीज से सिंचाई तक हर चीज में खुद ही भाग लेता है। जेल अधीक्षक ने कहा कि मिट्टी से जुड़कर साहिल को जिंदगी की सच्चाई का पता लग रहा है।

'मुस्कान से दोस्ती जिंदगी की सबसे बड़ी गलती'

साहिल के परिजन जेल में कई बार उससे मिलने के लिए आते हैं। उसकी नानी और भाई उससे मिलने के लिए अक्सर जेल आते हैं, लेकिन मुस्कान के परिजन में से कोई भी अभी तक उससे मिलने के लिए जेल नहीं आया। वह अभी भी अपने परिजन के इंतजार में है। साहिल जेल में कहता है कि मुस्कान से दोस्ती करना। उसकी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती थी, जिसकी वजह से वह अपराध के रास्ते पर चला, लेकिन अब वह खुद को सुधारने की कोशिश कर रहा है।

1000 करोड़ की जमीन, 240 रजिस्ट्री पेपर और फर्जी PAN कार्ड... भारत-नेपाल सीमा पर गजब का घोटाला

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। भारत-नेपाल सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और लखीमपुर खीरी जिलों में फर्जी पैन कार्ड के जरिए करीब 1000 करोड़ रुपये की जमीन की खरीद-फरोख्त का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आयकर विभाग की गहन जांच में अब तक 240 रजिस्ट्री दस्तावेजों में फर्जी पैन कार्ड का उपयोग पाया गया है, जिसके चलते कालेधन के इस्तेमाल की आशंका गहरा गई है। विभाग ने संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है।

आयकर विभाग की चार टीमों ने इस माह पीलीभीत और लखीमपुर खीरी के उपनिबंधन कार्यालयों से 400 से अधिक रजिस्ट्री दस्तावेजों को अपने कब्जे में लिया। इन दस्तावेजों की गहन पड़ताल में सामने आया कि बड़े पैमाने पर फर्जी पैन कार्ड का उपयोग कर कालेधन को सफेद करने की कोशिश की गई है। सूत्रों के अनुसार, लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी क्षेत्र के उपनिबंधन कार्यालय से बरामद दस्तावेजों में 50 से अधिक भूखंडों की रजिस्ट्री की जानकारी आयकर विभाग को नहीं दी गई थी। इनमें से ज्यादातर में फर्जी पैन कार्ड का उपयोग हुआ। वहीं, पीलीभीत में करीब 190 भूखंडों की खरीद में भी फर्जी पैन कार्ड पाए गए।

650 करोड़ रुपये की जमीन में गड़बड़ी

अब तक की जांच में पीलीभीत में करीब 350 करोड़ रुपये और लखीमपुर खीरी में लगभग 300 करोड़ रुपये कीमत के भूखंडों में फर्जी पैन कार्ड का इस्तेमाल सामने आया है। इनमें पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पास एक रिसॉर्ट की जमीन भी शामिल है, जिसकी रजिस्ट्री में भी अनियमितता पाई गई है। अधिकारियों का अनुमान है कि इस घोटाले में कुल मिलाकर 1000 करोड़ रुपये से अधिक की जमीन की खरीद-फरोख्त फर्जी पैन कार्ड के जरिए की गई है।

कई कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध

आयकर विभाग के नियमों के अनुसार, 30 लाख रुपये से अधिक कीमत के भूखंड की रजिस्ट्री होने पर उसकी सूचना विभाग को देना अनिवार्य है। साथ ही, 10 लाख रुपये से अधिक कीमत की जमीन की रजिस्ट्री के लिए पैन कार्ड का उल्लेख जरूरी है। बावजूद इसके, कई रजिस्ट्रियों की जानकारी आयकर विभाग तक नहीं पहुंची, जिसके चलते उपनिबंधन कार्यालयों के कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है।

आयकर विभाग धारा 133ए के तहत इस मामले की जांच कर रहा है और जल्द ही उपनिबंधन कार्यालयों के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखने की तैयारी में है। इसके साथ ही, फर्जी पैन कार्ड से जुड़े व्यक्तियों को नोटिस जारी कर पूछताछ की जाएगी।

टीईटी आदेश के मामले में रिवीजन दाखिल करेगी यूपी सरकार

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को शिक्षक बने रहने के लिए टीईटी उत्तीर्ण अनिवार्य किए जाने का आदेश बीते 01 सितंबर को दिया गया था। जिसको लेकर अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले संघ के अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में प्रदेश के शिक्षक शिक्षिकाएं पहले ही दिन से ज्ञापन के माध्यम से आंदोलन कर मांग कर रहे थे कि सरकार स्वयं प्रदेश के शिक्षको की सेवा सुरक्षा करने के लिए आगे आए और सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करे। वहीं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बाराबंकी के जिलाध्यक्ष डॉ राकेश सिंह ने बताया कि हम ज्ञापन आंदोलन के माध्यम से पहले ही दिन से भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार से मांग कर रहे थे कि टीईटी के प्रकरण पर सरकार स्वयं पुनर्विचार याचिका दाखिल कर सर्वोच्च न्यायालय को सही तथ्यों से अवगत कराए। यह आदेश गलत तथ्यों के आधार पर हुआ है। जिसके चलते मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा यह घोषणा की गई कि बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की इस पहल से अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की तरफ से मुख्यमंत्री को जनपद एवं प्रदेश के सभी शिक्षक धन्यवाद ज्ञापित करते है।

मछली पकड़ने गए युवक तालाब में डूबा, मौत परिजनों में मचा कोहराम

हैदरगढ़ बाराबंकी। सुबेहा थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव में मंगलवार को गांव के बाहर स्थित तालाब में मछली पकड़ने गए 40 वर्षीय गंगा बक्स सिंह की डूबने से मौत हो गई। घटना सुबह 11 बजे की है। गंगा बक्स सिंह तालाब में मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए। ग्रामीणों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कृष्णकांत सिंह भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से घंटी कड़ी मशक्कत के बाद मृतक का शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में 15 वर्षीय मंगल, 10 वर्षीय कौशल और 16 वर्षीय एक बेटी है। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य की मौत से परिवार की आजीविका पर संकट आ गया है। घर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दिशा पाटनी के घर हमले वाले दिन किसने किया था फोन? खुलासा हुआ तो पुलिस भी रह गई सन्न

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली जिले की बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर हुई फायरिंग की घटना ने पूरे शहर को हिला दिया था। जांच के दौरान पुलिस को जो संदिग्ध कॉल की जानकारी मिली थी, वह कॉल एक सनकी युवक की करतूत निकली। अब तक की जांच में पुलिस ढाई हजार से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज निकाल चुकी है, लेकिन हमलावर अब भी बेनकाब हैं।

दरअसल, फायरिंग वाले दिन यानी 12 सितंबर की सुबह करीब सात बजे दिशा पाटनी की मां पदमा पाटनी के मोबाइल पर एक अजीब कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा कि आपके पास एक पार्सल आया है। परिवार रात की फायरिंग से पहले ही सहमा हुआ था, ऐसे में इस कॉल ने और दहशत बढ़ा दी। पुलिस ने नंबर ट्रेस किया तो वह राजस्थान के भरतपुर का निकला। बरेली एसओजी टीम तुरंत वहां पहुंची, लेकिन जांच में पता चला कि कॉल करने वाला एक सनकी युवक है। बरेली की एसओजी टीम को भरतपुर पुलिस ने बताया कि वह युवक पहले भी कई बार संदिग्ध कॉल कर चुका है और उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज है। इस तरह पुलिस की दो दिन की मेहनत पर पानी फिर गया।

हमलावर अब तक बेनकाब

11 और 12 सितंबर की रात बाइक सवार दो हमलावरों ने अभिनेत्री के घर पर गोलियां बरसाई थीं। दोनों सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए, लेकिन अंधेरा और हेलमेट उनकी पहचान में सबसे बड़ी बाधा बन गए। सोशल मीडिया पर गोल्डी ब्रार गैंग ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। एसटीएफ और छह पुलिस टीमें लगातार जांच कर रही हैं। पुलिस अब तक ढाई हजार से ज्यादा कैमरों की सीसीटीवी फुटेज निकालकर खंगाल चुकी है। टोल प्लाजा, मोहल्लों और आसपास के जिलों तक की रिकॉर्डिंग सुरक्षित की गई है। हमलावरों की बाइक अपाचे बताई जा रही है, लेकिन नंबर प्लेट गायब होने से पहचान मुश्किल हो रही है।

हमलावर अब भी बने हैं चुनौती

लगातार दो दिन हुई फायरिंग से परिवार सहमा हुआ है और पुलिस पर दबाव बढ़ा है। ढाई हजार से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखने के बावजूद आरोपियों का चेहरा साफ नहीं हो सका। पीछे बैठे शूटर का चेहरा कुछ हद तक दिखा, लेकिन पहचान लायक नहीं है। हालांकि, एसटीएफ और पुलिस टीमें हर एंगल से तफ्तीश कर रही हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही हमलावरों तक पहुंचा जाएगा और केस सुलझा लिया जाएगा। कुल मिलाकर, भरतपुर के सनकी युवक की कॉल से जांच भटक गई, मगर असली चुनौती अब भी हमलावरों की पहचान करना ही है। गोल्डी बराड़ गैंग का नाम आने से यह केस और भी गंभीर हो गया है।

जल्द सुराग मिलने का दावा

जांच के दौरान पुलिस को सोशल मीडिया पर करीब 33 संदिग्ध अकाउंट मिले हैं, जिन पर फायरिंग से जुड़ी टिप्पणियां की गई थीं। इनमें से कई पर पुलिस की खास नजर है। साइबर क्राइम टीम इन अकाउंट्स के आईपी एड्रेस ट्रेस कर रही है ताकि हमलावरों तक पहुंचा जा सके। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि अपाचे बाइकों का विवरण आरटीओ से लिया गया है और फुटेज से उनकी जांच की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही पुलिस को पुख्ता सुराग मिल सकते हैं।

क्या बांके बिहारी मंदिर में बैन हो जाएगा मोबाइल? हाई लेवल मैनेजमेंट कमेटी के सामने सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर इन दिनों काफी सुर्खियों में है। बांके बिहारी मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित की गई बांके बिहारी हाई लेवल मैनेजमेंट कमेटी की मीटिंग में कई अहम फैसले लिए गए हैं। पहले मंदिर में ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के समय को बढ़ाए जाने के फैसले पर सहमति बनी। इसके साथ ही मंदिर में वीआईपी पर्ची भी बंद करने का फैसला हुआ। अब मंदिर में फोन लेकर जाने को लेकर मीटिंग में चर्चा हुई।

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर हाई लेवल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य दिनेश गोस्वामी, जो बांके बिहारी मंदिर के सेवायत भी हैं। उन्होंने अपनी मांग कमेटी के सामने रखी। उन्होंने कहा कि ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के अंदर मोबाइल पर पूरे तरीके से प्रतिबंध होना चाहिए। ये मांग वह पिछले कई सालों से कर रहे हैं। अब उन्होंने अपनी इस मांग को बांके बिहारी हाई लेवल मैनेजमेंट कमेटी के सामने रख भी दी।

मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने के बताए फायदे

बांके बिहारी मंदिर के सेवायत दिनेश गोस्वामी ने कहा कि मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने से हमें कई फायदे होंगे, जिसमें पहला फायदा ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के अंदर भारी संख्या में भक्त आते हैं, लेकिन वह दर्शन के साथ-साथ अपने आराध्य का फोटो भी खींचना चाहते हैं। जबकि मंदिर के अंदर बांके बिहारी का फोटो लेना सख्त मना है। ऐसे में फोटो खींचने के चक्कर में भक्त काफी समय बर्बाद कर देते हैं, जिससे भीड़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है।

"लॉकर सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए"

दिनेश गोस्वामी ने सुझाव देते हुए कहा कि बांके बिहारी मंदिर के अंदर मोबाइल बंद करने के लिए श्री कृष्ण जन्म स्थान में बनाई गई लॉकर सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए, जिससे बाहर से आने वाले भक्तों का सामान और मोबाइल एक सुरक्षित स्थान पर रखा जा सके। जब मोबाइल अंदर नहीं जाएगा तो किसी भी तरह की भीड़ नहीं होगी और भक्त आराम से दर्शन कर बाहर निकाल सकेंगे।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर होगी निगरानी : शषांक त्रिपाठी

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। आगामी नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा एवं दीपावली पर्व के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में मंगलवार को सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने पीस कमेटी के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी त्यौहार हमारी संस्कृति के बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व हैं। उन्होंने कहा कि नकारात्मक भावों को पीछे रखते हुए हमें सकारात्मकता के भाव को वरीयता देनी चाहिए। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने काउंटर पाट्र्स पुलिस अधिकारियों के साथ मूर्ति विसर्जन स्थलों सहित समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का पैदल रूट मार्च कर लें, ताकि किसी प्रकार की चूक न हो। उन्होंने नवरात्रि व दुर्गा पूजा के अवसर पर मंदिरों व पंडालों में साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। दशहरा पर्व के अवसर पर रावण वध एवं शोभायात्रा स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, बैरिकेटिंग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा बलों की तैनाती तथा सीसीटीवी, ड्रोन कैमरों से निगरानी के निर्देश दिए। दीपावली के दौरान अग्नि सुरक्षा हेतु विशेष सतर्कता की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा पंडालों में फायर सेफ्टी से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सभी को अवगत कराया गया और आयोजकों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक पंडाल में अग्निशमन यंत्र व सुरक्षा व्यवस्था अवश्य हो। इस मौके पर बोलते हुए पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने कहा कि शोभायात्राओं और सार्वजनिक आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही डीजे मानक ध्वनि स्तर पर बजेंगे, किसी प्रकार की अवहेलना पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मूर्ति विसर्जन स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी अफवाह या भ्रामक जानकारी फैलने न पाए, इसके लिए साइबर सेल व पुलिस प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी की जाएगी। बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को आष्वस्त किया कि वे सभी पर्वों को शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने में पूर्ण सहयोग करेंगे और जनपद में सामाजिक समरसता की मिसाल को बनाए रखेंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राज कुमार यादव, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी रितेश कुमार सिंह, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा सेंट्रल पीस कमेटी के सम्मानित सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मृणाल का आइवरी लहंगा देता है आंखों को सुकून, इंडो-वेस्टर्न आउटफिट का है परफेक्ट मिश्रण

भारतीय फिल्म अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अक्सर अपने बेहतरीन आउटफिट और शानदार फैशन सेंस को लेकर फैंस के बीच छाई रहती हैं। इस बीच उनका लेटेस्ट लुक भी काफी पसंद किया जा रहा है, जिसमें वो आइवरी कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में मृणाल फैशन और कला को जोड़ती देखी जा सकती हैं।

तस्वीरों में मृणाल ठाकुर ने एक स्कर्ट सेट पहना रखा है, ये प्लीटेड स्कर्ट मरमेड (जलपरी) इंस्पायर्ड है, साथ में मैचिंग ब्लाउज और एक शीयर केप भी है। तस्वीर के बैकग्राउंड पर नजर डालें तो कुछ अधूरी कलाकृतियां और बिखरी हुई कला सामग्री देखने को मिल रही है।

सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों को खूब पसंद किया जा रहा है। वैसे ये पहली बार नहीं है मृणाल अपनी खूबसूरती और दिलकश अदाओं से नेटिजेंस का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। इससे पहले भी वो कई बार ऐसा कर चुकी हैं।

इससे पहले मृणाल को एक अवार्ड शो में सबका ध्यान अपनी ओर खींचते देखा गया था, इस दौरान उन्होंने 3-डी फ्लोरल एलिमेंट्स वाले शानदार गुलाबी गाउन में रेड-कार्पेट की शोभा बढ़ाई थी। एक्ट्रेस का ये लुक अंतरराष्ट्रीय डिजाइनर सैयद कोबेसी द्वारा डिजाइन किया गया था।

कपड़ों के अलावा मृणाल अपनी ज्वैलरी के जरिए भी लोगों का ध्यान आकर्षित करती नजर आई थीं। रफल डिटेलिंग, सिंगल शोल्डर स्ट्रैप और पूरे आउटफिट पर फ्लोरल वर्क है। एक्ट्रेस ने साथ में अपने लुक को जूडिथ लीबर के कलेक्शन के गुलाबी क्लच और क्रिश्चियन लुबोटिन के हील्स के साथ पेयर किया। हेयर स्टाइल की बात करें तो उन्होंने अपने बालों को स्लीक नीट मिड-हाई बन में बांधा हुआ था और सॉफ्ट ग्लैम मेकअप के साथ पूरा लुक तैयार किया।

खाली पेट इन फूड आइटम्स को खाने से बचें, वरना हो सकती है गंभीर समस्या

सुबह आप जो पहली चीज खाते हैं वो ही यह तय करते हैं कि आपका बाकी का दिन कैसा रहेगा। चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ फूड आइटम्स के बारे में जिन्हें आपको खाने से बचना चाहिए।

हमारे शरीर के लिए जितना जरूरी होता है कि हम दिन में क्या खा रहे हैं, उतना ही जरूरी यह भी होता है कि हम सबसे पहले क्या खाते हैं। जी हां, इस बात का शरीर पर बहुत गहरा असर पड़ता है कि आप अपने दिन की शुरुआत कौन-से आहार से कर रहे हैं।

सुबह आप जो पहली चीज खाते हैं, वो ही यह तय करते हैं कि आपका बाकी का दिन कैसा रहेगा। स्वस्थ भोजन की आदतें पूरे दिन आपके मूड और शरीर की ताकत में सुधार करती हैं। खाने के चुनाव के साथ-साथ खाने के सही समय का भी ध्यान रखना जरूरी है। कुछ खाद्य पदार्थ हमारे पेट में गड़बड़ी पैदा करते हैं और अगर खाली पेट सेवन किया जाए तो इससे आंत या पाचन संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं, चाहे वे आम तौर पर कितने भी स्वस्थ क्यों न हों। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको खाली पेट खाने से बचना चाहिए।

खाली पेट किन चीजों को खाने से परहेज करें

1. मसालेदार भोजन

मसालेदार भोजन से पेट की परत में जलन होती है और सुबह मल त्यागने में भी समस्या होती है। खाली पेट कोई भी मसालेदार खाना खाना बिल्कुल भी स्मार्ट च्वॉइस नहीं है। यह आपको पूरा दिन परेशान कर सकता है। अगर आप खाली पेट मसालेदार चीजों का सेवन करते हैं तो आपका शरीर इसे नकारने के लक्षण दिखा रहा होगा, जिसपर आपको ध्यान देना चाहिए। मिर्च और मसालेदार भोजन पेट में ऐंठन पैदा कर सकते हैं।

2. चॉकलेट

जब हम खाली पेट खाने की बात करते हैं तो मीठे खाद्य पदार्थों का भी सेवन नहीं करना चाहिए। बहुत-से लोग अपने दिन की शुरुआत प्रोटीन बार से करते हैं, लेकिन विशेषज्ञ सुबह उठने के तुरंत बाद चॉकलेट खाने की सलाह नहीं देते हैं। पाश्चराइज्ड चीनी खाली पेट खाने के लिए सबसे खराब खाद्य समूहों में से एक हैं। सिर्फ चॉकलेट ही नहीं, बल्कि किसी भी उच्च चीनी वाले भोजन और पेय का सेवन खानी पेट करने से बचना चाहिए।

3. खट्टे फल

वैसे तो फल पूरे दिन सेवन करने के लिए स्वस्थ होते हैं, फिर भी उन्हें खाली पेट खाने से बचना चाहिए। सुबह खट्टे और उच्च फाइबर वाले फल जैसे संतरा, अनानास, कीवी, नींबू और अमरूद खाने से बचना बुद्धिमानी है। उच्च फ्रक्टोज और फाइबर सामग्री चयापचय को धीमा कर सकती है और आपके पेट को पूरे दिन उदास रख सकती है।

4. कच्ची सब्जियां

कच्ची सब्जियों को भी खाली पेट खाने से बचना चाहिए। सब्जियां फाइबर से भरी होती हैं, जिससे इसे पचाना मुश्किल हो जाता है। पचाने में दिक्कत आपके दिन को असहज कर सकती है। इससे पेट फूलना और पेट दर्द भी हो सकता है। सुबह उठते ही सबसे पहले सलाद का सेवन न करें, इसके बजाय दिन के समय इसे खाएं।

5. बेकरी आइटम

बेकरी आइटम जैसे पेस्ट्री, केक और पिज्जा आपका पसंदीदा फूड हो सकता है, जिसे आपका मन नाश्ते में भी खाने का कर सकता है। बता दें कि इन खाद्य पदार्थों में खमीर होता है जो सुबह खाली पेट सेवन करने पर पेट की परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे पेट फूलना और अन्य गैस्ट्रिक समस्याएं भी हो सकती हैं। जागने के ठीक बाद किसी भी बेकरी उत्पाद के सेवन से बचें।

देने जा रही हैं इंटरव्यू तो कपड़ों का रखें खास ध्यान, पहने ऐसे आउटफिट

अगर आप नौकरी के लिए जॉब इंटरव्यू देने जा रहे हैं। इस दौरान एंप्लॉयर पर अच्छा प्रभाव डालने के लिए ब्यूटी पहला जरिया होता है। इंटरव्यू के लिए कही कपड़ों का चयन आपका प्रभाव बढ़ाता है। ऐसे में अगर आप जॉब इंटरव्यू पर जा रहे हैं तो यह जान लें कि किस तरह के कपड़े आपको पहनने चाहिए और किन कपड़ों से दूरी बना लेनी चाहिए।

पहनावा आप का समाज में दूसरे की नजरों में इम्प्रेशन बना सकता है और बिगाड़ भी सकता है। जब तक आप स्कूल कॉलेज में होते हैं, तब तक आप किसी भी मौके पर अपने मनमुताबिक कपड़े पहन सकते हैं। लेकिन कई जगहें या मौके ऐसे होते हैं, जहां आपको अपने पहनावे पर विशेष ध्यान देना पड़ता है। खासकर अगर आप नौकरी के लिए जॉब इंटरव्यू देने जा रहे हैं। इस दौरान एंप्लॉयर पर अच्छा प्रभाव डालने के लिए ब्यूटी पहला जरिया होता है। इंटरव्यू के लिए कही कपड़ों का चयन आपका प्रभाव बढ़ाता है। ऐसे में अगर आप जॉब इंटरव्यू पर जा रहे हैं तो यह जान लें कि किस तरह के कपड़े आपको पहनने चाहिए और किन कपड़ों से दूरी बना लेनी चाहिए। अगली स्लाइड्स में जानिए इंटरव्यू में बॉस को इंप्रेस करने के लिए क्या पहनें और क्या नहीं।

कपड़े का रंग

इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं तो अधिक फैशनेबल कपड़ों को पहनने की जरूरत नहीं। ऐसा नहीं कि महंगे और फैशनेबल कपड़ों से ही एंप्लॉयर इम्प्रेस होगा। बल्कि कपड़ों के रंग पर अधिक ध्यान दें। ऐसे रंग के कपड़े पहनने जो आप पर अधिक जंचता हो और आंखों को सुकून देने वाला हो। कोशिश करें कि हल्के रंग के पोशाक पहननें।

नौकरी के क्षेत्र का रखें ध्यान

जॉब इंटरव्यू के लिए तैयार हो रहे हैं तो अपने कार्य क्षेत्र के मुताबिक ही कपड़े पहनने। जैसे अगर आप कॉरपोरेट क्षेत्र में नौकरी की तलाश में हैं तो फॉर्मल कपड़ों का चयन कर सकते हैं। अगर आप ऑफिस वर्क की जगह दफ्तर से बाहर कार्य करते हैं, तो उसके मुताबिक कपड़े पहनकर जाएं। शर्ट, पैंट, फॉर्मल टाउजर और फिटिंग ब्लेजर आदि को इंटरव्यू के मौके पर कैरी कर सकती हैं।

जॉब लेवल और कल्चर समझकर आउटफिट का चयन

आप किस पोजिशन के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, उसके मुताबिक कपड़ों का चयन करें। हल्की क्वालिटी और पैटर्न वाले कपड़े पहनने से बचें। ओवर ड्रेस होना भी सही नहीं है।

अहसज फुटवियर और अधिक कैजुअल

अक्सर लोग जॉब इंटरव्यू के लिए जाते समय जरूरत से ज्यादा कैजुअल कपड़े पहन लेते हैं। इसके अलावा स्टाइलिश या लंबी दिखने के चक्कर में लड़कियां असहज फुटवियर पहन लेती हैं। इस तरह की स्थिति से बचें।

रिवीलिंग कपड़े न पहनने

ध्यान रखें कि पहली बार कहीं इंटरव्यू देने जा रही हैं, जो अधिक रिवीलिंग कपड़े न पहने। इस तरह के कपड़े आपको असहज बनाते हैं और दूसरों का ध्यान आप पर रहने से आपकी जॉब लगने से पहले ही रिजाइन देने की नौबत आ सकती है।

बेहद कम खर्च में इन आइडियाज की मदद से वेडिंग घर को सजाकर दें खूबसूरत लुक

घर के प्रवेश द्वार पर रंगोली जरूर बनाएं। ऐसा शुभ अवसर पर बनाया जाता है। आप वेडिंग घर को रंगोली बनाकर सजा सकते हैं। आप चाहे तो घर के हर कॉर्नर पर रंगोली बना सकते हैं। इसके लिए हर कॉर्नर पर डिफरेंट रंगोली बनाएं।

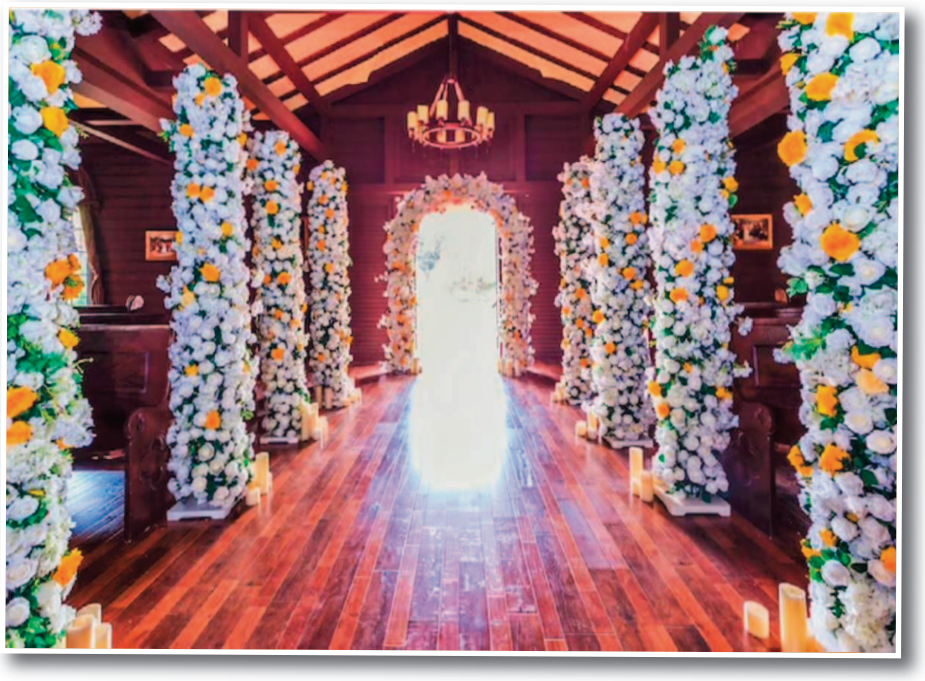

शादी का सीजन चल रहा है। इसके लिए देशभर में उत्सव जैसा माहौल है। गली मोहल्ले में ढोल नगाड़े की गूंज है। लड़के और लड़कियां शॉपिंग में व्यस्त हैं, तो माता-पिता शादी की तैयारियों में जुटे हैं। इसके लिए वेडिंग घरों को सजाया जा रहा है। साथ ही रहने, खाने और पीने की पूरी व्यवस्था की जा रही है। अगर आपके घर पर भी किसी की शादी होने वाली है और आप अपने घर को खूबसूरत लुक देना चाहते हैं, तो इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं। आइए जानते हैं-

-घर के मुख्य द्वार को फूलों से सजा सकते हैं। इसके लिए पास के फूल वाले से संपर्क कर सकते हैं। उन्हें रंग बिरंगे फूलों का ऑर्डर दे सकते हैं। इन फूलों से आप प्रवेश द्वार को सजा सकते हैं।

-घर के प्रवेश द्वार पर रंगोली जरूर बनाएं। ऐसा शुभ अवसर पर बनाया जाता है। आप वेडिंग घर को रंगोली बनाकर सजा सकते हैं। आप चाहे तो घर के हर कॉर्नर पर रंगोली बना सकते हैं। इसके लिए हर कॉर्नर पर डिफरेंट रंगोली बनाएं।

-वेडिंग घर को खूबसूरत टच देने के लिए वॉल फोटो का यूज करें। आप इनमें विवाहित लड़के या लड़की की तस्वीर लगा सकते हैं। इसके अलावा, खूबसूरत पेंटिंग का भी यूज कर सकते हैं। इससे वेडिंग घर की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

-घर के मुख्य द्वार समेत घर की सेलिंग में तोरण का इस्तेमाल कर सकते हैं। सनातन धर्म में पूजा पाठ और त्योहार के मौके पर तोरण लगाए जाते हैं। आप वेडिंग घर को सजाने के लिए शुभ लाभ के तोरण लगा सकते हैं।

-अक्सर लोग घर को सजाते हैं, लेकिन सीढ़ी को भूल जाते हैं। आप ऐसा बिल्कुल न करें। घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप रेलिंग और सीढ़ियों को जरूर सजाएं। इन्हें फूलों से सजा सकते हैं।

-आप वेडिंग घर को आर्टिफिशियल और इलेक्ट्रॉनिक कैंडल के जरिए भी खूबसूरत टच दे सकते हैं।

पुरानी कर व्यवस्था में निवेश कर बचाएं पैसे

टैक्स बचाने के लिए पुरानी कर व्यवस्था अब भी आकर्षक बनी हुई है। आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर लोग अब भी इसे पसंद कर रहे हैं। ऐसे में आप अब भी इस व्यवस्था का चुनाव कर अपनी गाढ़ी पर अच्छा-खासा टैक्स बचा सकते हैं। टैक्स बचाने का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट-

अगर आपकी आय टैक्स श्रेणी में आती है, तो कर गणना के लिए पुरानी और नई कर व्यवस्था में एक को चुनना होगा। नई कर व्यवस्था में दरें कम हैं। पुरानी कर व्यवस्था ज्यादा छूट की सुविधा देती है। इससे टैक्स वाली आय कम हो जाती है और देनदारी कम हो जाती है। नई कर व्यवस्था में आय 7 लाख रुपये या उससे कम है तो कोई टैक्स नहीं देना होगा। आप सैलरी वाले हैं तो 50,000 रुपये की स्टैंडर्ड कटौती भी मिलेगी। यदि टैक्स की आय 7.5 लाख से अधिक है, तो पूरी आय पर टैक्स देना होगा। नई व्यवस्था में विभिन्न धाराओं जैसे 80सी, 80डी, 24 आदि के तहत कटौती का दावा नहीं कर सकते हैं। कर योग्य आय 7.5 लाख से अधिक है तो पुरानी टैक्स व्यवस्था अपनाना सही होगा।

टैक्स बचत और निवेश का दोहरा लाभ

पुरानी टैक्स व्यवस्था निवेश करने के साथ टैक्स बचत में मदद करती है। धारा 80सी के तहत निवेश पर 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। यदि जीवनसाथी और बच्चों के लिए स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी ली है, तो 60 वर्ष से कम आयु होने पर प्रीमियम के रूप में भुगतान किए गए 25,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। वरिष्ठ नागरिक माता-पिता के स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर 50,000 रुपये तक का दावा कर सकते हैं। नियोक्ता के माध्यम से एनपीएस में निवेश करने और कर योग्य वेतन को कम करने का मौका दोनों टैक्स व्यवस्थाओं में हैं।

एनपीएस के जरिये अतिरिक्त कर बचत

ज्यादातर समय 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपये की सीमा ईपीएफ योगदान, बच्चों की शिक्षा फीस और होम लोन मूलधन पुनर्भुगतान से समाप्त हो जाती है। ऐसे में धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत एनपीएस में 1.5 लाख रुपये की सीमा से अधिक निवेश कर 50,000 रुपये अतिरिक्त बचा सकते हैं।

एचआरए में भी फायदा, होम लोन पर भी दावा

अगर आप किराये पर रहते हैं और अपने वेतन के एक हिस्से के रूप में मकान किराया भत्ता (एचआरए) प्राप्त कर रहे हैं, तो कटौती का दावा कर सकते हैं। कुछ स्थितियों में, घर किसी दूसरे शहर में है और किराये पर दी गई संपत्ति है, तो आप होम लोन के बावजूद एचआरए लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, होम लोन लेने वाला व्यक्ति ब्याज भुगतान के कारण धारा 24 (बी) के तहत हर वित्त वर्ष 2 लाख रुपये तक की कटौती का दावा कर सकता है। आप पात्र संस्थानों को किए गए दान के लिए धारा 80जी के तहत कटौती का दावा कर सकते हैं।

ईटीआर डेडलाइन : एक करोड़ से अधिक लोग आखिरी दिन कर सकते हैं टैक्स फाइलिंग

मुंबई, एजेंसी। इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) जमा करने की डेडलाइन सोमवार को समाप्त हो रही है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि आखिरी दिन करीब एक करोड़ करदाता टैक्स फाइलिंग कर सकते हैं।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट के मुताबिक, 14 सितंबर तक 6.69 करोड़ आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं, जिसमें से 6.03 करोड़ को वेरिफाइड किया जा चुका है। वहीं, 4 करोड़ से अधिक आईटीआर प्रोसेस हो चुके हैं।

पिछले साल, आईटीआर फाइलिंग में सालाना आधार पर 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी और इसी गति को मानते हुए, इस साल यह संख्या 7.8 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीते कुछ वर्ष में वृद्धि का रुझान स्थिर रहा है । असेसमेंट ईयर 2023-24 में 6.77 करोड़ रिटर्न, असेसमेंट ईयर 2022-23 में 5.82 करोड़ और असेसमेंट ईयर 2021-22 में 5.77 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे।

जानकारों का कहना है कि इस साल एडवांस टैक्स की दूसरी किस्त जमा करने की 15 सितंबर की समय सीमा के कारण चुनौतियां और बढ़ गई हैं, जिससे करदाताओं और पेशेवरों पर दोहरा बोझ पड़ेगा।

चार्टर्ड अकाउंटेंट और कर वकीलों ने कहा है कि पूरी तरह से चालू पोर्टल के बावजूद, समय-सीमाओं का समूहीकरण अभी भी दाखिलकर्ताओं पर दबाव डालेगा।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अधिकारियों ने कहा है कि सिस्टम स्थिर है और अधिकांश समस्याओं के लिए यूजर्स की ओर से ब्राउजर से संबंधित गड़बड़ियां जिम्मेदार हैं। पोर्टल ने पिछले साल एक दिन में रिकॉर्ड 70 लाख रिटर्न प्रोसेस किए थे।

इससे पहले, इनकम टैक्स (आईटी) डिपार्टमेंट की ओर से उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया गया है, जिसमें आईटीआर फाइलिंग की आखिरी तारीख को बढ़ाकर 30 सितंबर करने का दावा किया गया था।

आईटी डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्ट 'एक्स पर की एक पोस्ट में लिखा, एक फर्जी खबर चल रही है जिसमें कहा गया है कि आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि (मूल रूप से 31.07.2025 को देय, जिसे 15.09.2025 तक बढ़ा दिया गया था) को आगे बढ़ाकर 30.09.2025 कर दिया गया है।

डिपार्टमेंट ने आगे कहा, आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15.09.2025 है। करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे केवल आधिकारिक अपडेट पर ही भरोसा करें।

आईटीआर फाइलिंग के दौरान न करें ये गलतियां, अटक सकता है रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में अब तक 6.7 करोड़ से ज्यादा करदाता अपना इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) जमा कर चुके हैं और इसमें से बहुत सारे लोग रिफंड का इंतजार कर रहे हैं। कई बार आईटीआर भरने के बावजूद भी समय पर आपको रिफंड नहीं मिल पाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं, जिनके बारे में हम नीचे इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं।

ई-वेरिफिकेशन न करना : आईटीआर को केवल जमा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे फाइलिंग के 30 दिनों के अंदर वेरीफाई करना भी आवश्यक है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपका रिफंड रुक जाता है। कई मामले करदाताओं को 5,000 रुपए तक के जुर्माने का भुगतान करना पड़ सकता है। एआईएस डेटा को

दरकिनार करना: एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) में आपकी आय, बैंक अकाउंट और इन्वेस्टमेंट की सभी जरूरी डिटेल्स होती हैं। अगर एआईएस डेटा अलग होता है और आईटीआर में दी गई जानकारी भिन्न होती है तो आपका रिफंड रुक सकता है। इससे साथ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आपको नोटिस भी दे सकता है। ऐसे में आईटीआर को फाइलिंग के दौरान एआईएस से मिलान करने को काफी जरूरी माना जाता है।

गलत आईटीआर फॉर्म का चयन : इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से करदाताओं की आय और कारोबार के मुताबिक अलग-अलग आईटीआर फॉर्म जारी किए जाते हैं। असेसमेंट ईयर 2025-26 (वित्त वर्ष 2024-25) के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से आईटीआर 1, आईटीआर 2, आईटीआर 3, आईटीआर 4, आईटीआर 5, आईटीआर 6 और आईटीआर 7 जारी किए गए हैं। उदाहरण के लिए, सालाना 50 लाख रुपए तक के वेतन वालों को आईटीआर फॉर्म 1 भरना होता है। वहीं, बिजनेस और पेशे से 50 लाख रुपए तक की आय वालों को आईटीआर फॉर्म 4 भरना होता है। ऐसे में अगर कोई करदाता गलत आईटीआर का चयन करता है तो उसका रिफंड रुक सकता है।

'गाजा जल रहा है...', गाजा सिटी में रातभर भारी हमलों के बाद इस्राइल के रक्षा मंत्री का बयान

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि 'गाजा जल रहा है'। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इस्राइल की सेना गाजा सिटी में बीती रात भीषण हमले किए हैं और अब एक नई सैन्य कार्रवाई की योजना बना रहा है। वहीं, इस्राइल से कतर के लिए रवाना हो रहे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब यह कार्रवाई शुरू हो चुकी है। इस्राइलियों ने वहां कार्रवाई शुरू कर दी है। किसी समझौते तक पहुंचने के लिए हमारे पास अब बहुत कम समय बचा है। उन्होंने कहा, अब हमारे पास महीने नहीं, शायद कुछ ही दिन या हफ्ते बचे हैं।

फलस्तीनी निवासियों ने बताया कि गाजा सिटी में कई जगहों भारी हमले किए गए। बीती रात हमले में गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में एक घर पर बम गिरा, जिसमें पांच फलस्तीनी की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। शिफा अस्पताल के मुताबिक, उनके शवों को वहां लाया गया है। एक और हमला शहर के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में हुआ,जहां तीन घरों को निशाना बनाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि राहतकर्मी मलबे से जीवित लोगों की तलाश कर रहे हैं। गाजा सिटी के निवासी रदवान हैदर शिफा अस्पताल के पास शरण लिए हुए हैं। उन्होंने कहा, यह रात बहुत भारी थी।

इस्राइली सेना ने अब तक स्पष्ट नहीं किया है कि क्या नई सैन्य कार्रवाई की क्या औपचारिक शुरुआत हो चुकी है या नहीं। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो दोनों ने सोमवार को कहा था कि गाजा में संघर्ष को खत्म करने का एकमात्र तरीका हमास का खात्मा करना और जीवित बचे 48 को रिहा करना है। इनमें से करीब 20 के जीवित होने की उम्मीद है। उन्होंने किसी अस्थायी युद्धविराम की मांग को नजरअंदाज करते हुए युद्ध को तत्काल खत्म करने की बात कही।

वहीं हमास का कहना है कि वह बाकी बंधकों को तभी छोड़ेगा, जब बदले में फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा, युद्धविराम को स्थायी रूप से लागू किया जाएगा और इस्राइली सेना गाजा से पूरी तरह पीछे हटेगी।

यह युद्ध सात अक्तूबर 2023 को शुरू हुआ था, जब हमास के लड़ाके दक्षिण इस्राइल में घुसे थे। उस हमले में करीब 1200 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे और 251 को बंधक बना लिया गया था। इनमें से अधिकतर बंधकों को कतर की मदद से या अन्य समझौतों के जरिए रिहा कराया जा चुका है। वहीं, इस्राइल के जवाबी हमलों में 63 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

'अब भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है', ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो ने फिर की बेतुकी बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने सोमवार को एक बार फिर से बेतुका बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है। पीटर नवारो की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का दल भारत पहुंच गया है। पीटर नवारो पूर्व में भी भारत के खिलाफ आग उगल चुके हैं और लगातार बयानबाजी कर रहे हैं।

पीटर नवारो ने अब क्या कहा

पीटर नवारो ने कहा कि 'भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बहुत ही सौहार्दपूर्ण, अच्छा और रचनात्मक ट्वीट किया और राष्ट्रपति ट्रंप ने उसका जवाब दिया। देखते हैं यह कैसे काम करता है।' गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही ट्रंप ने कहा था कि भारत और अमेरिका व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रख रहे हैं। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर साझा पोस्ट में लिखा, 'मैं आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे दोस्त, प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों देशों के लिए एक सफल समझौते पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी।'

इसके जवाब में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं और उन्हें विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ता भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं का रास्ता बनाएगी। पीएम मोदी ने लिखा कि 'हमारी टीमें इन चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए काम कर रही हैं।

अदालत ने पलटा ट्रंप का फैसला, अपील कोर्ट ने फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को पद से हटाने पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति ट्रंप को झटका देते हुए उनके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल ट्रंप ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को पद से हटाने का आदेश दिया था, जिसे अब अपीलीय अदालत ने खारिज कर दिया है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक होनी है, उससे पहले लिसा कुक की पद पर बहाली ट्रंप के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। लिसा कुक को पद से हटाने के लिए अब ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकता है।

अमेरिका में फेडरल रिजर्व आमतौर पर स्वतंत्र होता है और उसमें सरकार का दखल नहीं होता है। फेडरल रिजर्व एजेंसी के 112 साल के इतिहास में कभी किसी राष्ट्रपति ने फेडरल रिजर्व गवर्नर को पद से नहीं हटाया। लिसा कुक पर मॉर्गेज फ्रॉड (गृह ऋण में धोखाधड़ी) का आरोप लगा था। ये आरोप फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी (FHFA) के डायरेक्टर बिल पुल्टे ने लगाए, जो ट्रम्प के कट्टर समर्थक और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के आलोचक माने जाते हैं। बिल पुल्टे का आरोप है कि जून 2021 में लिसा कुक ने मिशिगन में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी और 15 साल के मॉर्गेज एग्रीमेंट में इसे अपना प्रिंसिपल रेजिडेंस यानी मुख्य घर बताया था। इसके एक महीने बाद जुलाई 2021 में कुक ने जॉर्जिया के अटलांटा में एक और प्रॉपर्टी खरीदी और 30 साल के एग्रीमेंट में इसे भी अपना मुख्य घर बताया था। अमेरिका में मुख्य घर के लिए मिलने वाले लोन में ब्याज दरें कम होती हैं, और इस तरह के दावे से फायदा उठाने को मॉर्गेज फ्रॉड माना जा सकता है।नपुल्टे ने आरोप लगाया कि, 'जो महिला अपनी ब्याज बचाने के लिए झूठ बोल रही है, वह ब्याज दरों को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी कैसे ले सकती है?'

ट्रंप ने भी इस मुद्दे को तूल देते हुए पहले कुक से इस्तीफा मांगा और फिर 22 अगस्त को एलान किया कि अगर कुक इस्तीफा नहीं देतीं, तो वह उन्हें बर्खास्त कर देंगे। आखिरकार, 26 अगस्त को ट्रंप ने कुक को फेडरल रिजर्व गवर्नर पद से हटा दिया। लिसा कुक फेडरल रिजर्व बोर्ड की पहली अश्वेत महिला गवर्नर हैं और उनकी मौजूदा नियुक्ति 2038 तक है।

सीनेट ने राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी और उनके शीर्ष आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व की गवर्निंग बॉडी में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। फेडरल रिजर्व बोर्ड में अभी दो गवर्नर क्रिस्टोफर वालर और मिशेल बोमैन की नियुक्ति ट्रंप ने की थी। हाल ही में एक अन्य गवर्नर, एड्रियाना कुगलर ने इस्तीफा दिया था, जिसके बाद कुगलर की जगह ट्रंप ने अपने आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को नामित किया था। अगर कुक भी पद से हट जाती हैं तो उनकी जगह फिर कोई ट्रंप समर्थक फेड बोर्ड में शामिल होगा और इस तरह बोर्ड में ट्रंप समर्थकों का दबदबा हो जाएगा। इसके बाद ट्रंप फेडरल रिजर्व संबंधी नीतियों पर अपना प्रभाव डाल सकेंगे। फेड की ब्याज दर निर्धारण समिति मंगलवार और बुधवार को सभी सात गवर्नरों और 12 क्षेत्रीय बैंक अध्यक्षों के साथ बैठक करेगी। इन 19 अधिकारियों में से बारह केंद्रीय बैंक की अल्पकालिक ब्याज दर में बदलाव पर मतदान करेंगे। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने पिछले महीने संकेत दिए थे कि फेडरल रिजर्व इस बैठक में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

'बाइडन प्रशासन ने आरोपी को देश से निकाला होता तो ..', DHS ने की भारतीय व्यक्ति के सिर कलम की घटना की निंदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अवैध प्रवासी योरडानिस कोबोस मार्टिनेज पर टेक्सास के डलास में पिछले हफ्ते एक भारतीय मोटल प्रबंधक चंद्र नागमलैया की हत्या करने का आरोप है। अब उसे देश से निर्वासित किया जा रहा है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने इस घटना की कड़ी निंदा की। डीएचएस ने कहा कि यह खौफनाक घटना पूरी तरह रोकी जा सकती थी, अगर पूर्ववर्ती जो बाइडन प्रसासन ने क्यूबा के इस नागरिक को अवैध तरीके से अमेरिका में रहने की अनुमति नहीं दी होती।

डीएचएस ने एक्स पर लिखा, इस दुष्ट राक्षस ने एक आदमी का उसकी पत्नी और बच्चेके सामने सिर काट दिया और फिर पीड़ित के सिर को जमीन पर पटका। यह खौफनाक और क्रूर हत्या पूरी तरह से रोकी जा सकती थी, अगर इस विदेशी अपराधी को बाइडन प्रशासन ने हमारे देश में नहीं छोड़ा होता, क्योकि क्यूबा उसे वापस लेने से इनकार कर रहा था।

विभाग ने मार्टिनेज (37 वर्षीय) के मामले को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आप्रवासन नीति का समर्थन करने के लिए इस्तेमाल किया और कहा, इसी वजह हम अपराधी विदेशी नागरिकों को तीसरे देशों में भेज रहे हैं। डीएचएस ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव क्रिस्टी नोएम अब क्रूर अपराधियों को अमेरिका में अनंतकाल तक के लिए रहने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। अगर आप हमारे देश में अवैध तरीके से आते हैं, तो आप एस्वातिनी, युगांडा, दक्षिण सूडान या अल-सल्वाडोर पहुंच सकते हैं। मार्टिनेज डलास के सैमुअलर बुलेवार्ड स्थित डाउनटाउन सुइट्स मोटल में काम करता था। 10 सितंबर को उसने नागमलैया पर हमला किया और उनका सिर काट दिया, फिर उनके सिर को कूड़ेदान में फेंक दिया। आरोपी को गिरफ्तार किया गया और हत्या के आरोप में राजधानी की जेल में रखा गया है।

मां बीमार थी, देखभाल करने वाला कोई नहीं था... परेशान बेटे ने नदी में फेंका, पुलिस को बताई कहानी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले से मां-बेटे के रिश्ते को तार तार कर देने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक बेटे ने अपनी बीमार मां की हत्या कर दी। बेटे ने मां को मंजीरा नदी में धक्का दे दिया। पीतलाम पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम एरोला बलैया है। हत्या में शामिल उसके साथियों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है।

मृतक बुजुर्ग महिला की पहचान सयाव्वा (77) के रूप में की गई है। वो पितलम मंडल के बोलकपल्ली गांव की रहने वाली थी। पिछले गुरुवार को बोलकपल्ली गांव के बाहरी इलाके में मंजीरा नदी में एक अज्ञात महिला का शव मिला। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, आरोपियों को बांसवाड़ा मंडल के कोय्यागुट्टा चौराहे पर गिरफ्तार कर

लिया गया।

आरोपी बेटे ने कुबूल किया आपना गुनाह

पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त बाइक और दो मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए हैं। पूछताछ के दौरान, बलैया ने कबूल किया कि उसकी मां, सयाव्वा, बीमार होने के कारण बिस्तर पर थी और उसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। 8 सितंबर की रात को, वह मां को अपनी बाइक पर बोलकपल्ली पुल पर ले गया और मंजीरा नदी में धकेल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। नाबालिग भी उसके साथ गया था।

आरोपी की पत्नी कर चुकी है आत्महत्या

बलैया को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। गांव में इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया जा रहा है। पता चला है कि आरोपी बलैया की पत्नी ने पहले ही आत्महत्या कर ली थी। वहीं पुलिस अधीक्षक एम। राजेश चंद्र ने मामले को सफलतापूर्वक सुलझाने के लिए बांसवाड़ा के डीएसपी विट्ठल रेड्डी, बांसवाड़ा ग्रामीण के सीआई तिरुपथैया, पितलाम के एसआई वेंकट राव और उनकी टीम की सराहना की।

नेताओं से लेकर अधिकारियों तक के लिए काल है असम की ये अफसर, सीएम हिमंत की मानी जाती हैं भरोसेमंद

नई दिल्ली, एजेंसी। असम पुलिस के मुख्यमंत्री की विजलेंस टीम ने सोमवार को असम सिविल सेवा (एसीएस) अधिकारी नूपुर बोरा के गुवाहाटी स्थित आवास पर छापा मारा। रेड में लगभग 90 लाख रुपये कैश, 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा मूल्य के सोने के आभूषण जब्त किए गए। बरामदगी की कुल कीमत 2 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस छापेमारी का नेतृत्व सीएम विजलेंस की SP रोजी कलिता ने किया। रोजी कलिता की गिनती असम की तेज तर्रार महिला अधिकारियों में होती है। वह सीएम हिमंत की भरोसेमंद मानी जाती हैं।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने खुलासा किया कि नूपुर बोरा पिछले छह महीनों से निगरानी में थीं। बारपेटा ज़िले में सर्किल ऑफिसर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर अवैध बसने वालों को सरकारी और सत्रा जमीन का अवैध पंजीकरण कराने में मदद की। रोजी कलिता ने पुष्टि की कि अधिकारी पर भ्रष्टाचार के कई आरोप

हैं। उन्होंने कहा कि जब्त की गई नकदी और गहने एक प्रारंभिक कार्रवाई का हिस्सा थे और आगे की जांच में और भी चौंकाने वाले खुलासे और सबूत मिल सकते हैं।

कौन हैं टीम को लीड करने वालीं रोजी कलिता?

रोजी कलिता असम पुलिस में SP के रैंक पर हैं। उन्हें मुख्यमंत्री के स्पेशल विजिलेंस सेल में पुलिस अधीक्षक के रूप में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। वह भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच का नेतृत्व करती हैं। उन्हें असम की पहली महिला पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाता है जिन्हें वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। उन्हें कई अन्य पुरस्कार भी मिले हैं, जिनमें सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक शामिल हैं।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान लिंक की जांच करने के लिए जो SIT बनाई गई है उसमें रोजी कलिता भी शामिल हैं। इस टीम ने सीएम हिमंत को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। बता दें कि इस साल फरवरी में सीएम हिमंत ने गोगोई पर उनकी पत्नी द्वारा 12 साल तक ब्रिटिश नागरिकता बनाए रखने और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक संगठन में उनकी नौकरी होने के आरोपों को लेकर हमला बोला था। सीएम ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किसी का नाम लिए बिना, भारत के विरोध के बावजूद 2015 में तत्कालीन पाकिस्तानी उच्चायुक्त के साथ गोगोई की मुलाकात का भी ज़िक्र किया था।

रोजी के नेतृत्व में ये एक्शन भी हुए

रोजी कलिता के नेतृत्व में ही 2022 में असम के IPS अधिकारी रौनक अली हजारिका को गिरफ्तार किया गया था। रौनक अली हजारिका को APS में शामिल होने के बाद से असम सरकार के गृह विभाग से बिना किसी पूर्व अनुमति के कई विदेश यात्राएं करने के कारण निलंबित कर दिया गया था। रोजी कलिता के नेतृत्व में एक टीम हजारिका के हेंगराबारी स्थित आवास पर पहुंची थी और उन्हें गिरफ्तार किया था। इससे पहले 2021 में रिटायर अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सैबुर रहमान को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। सीएम विजिलेंस सेल ने उन्हें 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था। रोजी कलिता के नेतृत्व में ये एक्शन हुआ था।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा... की नई रिलीज डेट का हुआ एलान, कार्तिक-अनन्या ने फैंस को दी जानकारी

इस साल का आखिरी दिन मूवी लवर्स के लिए खास रहने वाला है। वजह है कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की मच अवेटेड फिल्म तू मेरी मैं तेरा..., जिसकी रिलीज डेट अब प्रीपोन हो गई है। जहां पहले फिल्म 13 फरवरी 2026 यानी वेलेंटाइन डे पर आने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे 31 दिसंबर 2025 को रिलीज करने का फैसला किया है। यानी इस फिल्म को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

कार्तिक और अनन्या ने फैंस के साथ पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि साल का आखिरी दिन हमारे साथ बिताइए, क्योंकि हमारी फिल्म नए साल से ठीक पहले सिनेमाघरों में आ रही है। साल खत्म होगा लेकिन प्यार की नई शुरुआत होगी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की रैप पार्टी की एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह और अनन्या पांडे साथ नजर आ रहे हैं।

इस फिल्म की शूटिंग कई खूबसूरत जगहों पर हुई है। एक ओर यूरोप का लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन क्रोएशिया, वहीं दूसरी ओर भारत का ऐतिहासिक और रंगीन राज्य राजस्थान- दोनों जगहों की झलक दर्शकों को इस फिल्म में देखने को मिलेगी। ट्रेलर और तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा रहा है कि कहानी में रोमांस, कामेडी और इमोशन का मिश्रण देखने को मिलेगा।

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की जोड़ी इससे पहले फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थी। उस वक्त भी दर्शकों ने इस फ्रेश पेयरिंग को खूब पसंद किया था। अब यह दोनों फिर से एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं।

फिल्म में कार्तिक-अनन्या की जोड़ी के अलावा दिग्गज कलाकार भी शामिल हैं। जैकी श्राफ और नीना गुप्ता अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक समीर विद्वांस हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है।

अनुराग कश्यप की निशानची में दिखेगा ऐश्वर्य ठाकरे का डबल टैलेंट, रिलीज हुआ गाना पिजन कबूतर

अमेज़न एमजीएम स्टूडियोज़ इंडिया की आने वाली फिल्म निशानची के साउंडट्रैक से एक और जबरदस्त पिजन कबूतर रिलीज हो गया है। ज़ी म्यूज़कि कंपनी ने इस आफबीट और बेहद कैची ट्रैक का म्यूज़कि वीडियो रिलीज कर दिया है। बता दें कि इस गाने को जहां भूपेश सिंह ने गाया है, वहीं इसे कंपोज करने से लेकर बोल लिखने तक का काम ऐश्वर्य ठाकरे ने किया है, जो फिल्म में बतौर लीड एक्टर डबल रोल में नजर आने वाले हैं।

ऐश्वर्य ठाकरे इस आफबीट लिरिक्स, मस्ती भरे हिंग्लिश फ्लो और धमाकेदार एनर्जी से भरपूर इस गाने संग अपना म्यूज़किल डेब्यू कर रहे हैं। यह गाना फिल्म में बेबाक और अनोखी दुनिया को बिल्कुल खूबसूरती से दिखाता है। गाने का हुक लाइन पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेज़ी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनने की ओर है।

इस गाने का म्यूजिक वीडियो अब लाइव है, जो अपनी रंगीन विज़ुअल्स, अनोखी कोरियोग्राफी और ऐश्वर्य के डबल-रोल वाले अंदाज़ से गाने की एनर्जी में जान फूंकता है। कहना होगा कि मज़ेदार, चमकदार और पूरी तरह से फिल्मी टच लिए ये वीडियो निशानची की दुनिया में और ज़्यादा पागलपन भर देता है और गाने की कैची अपील को और बढ़ा देता है।

ऐश्वर्य ठाकरे ने अपनी फ़िल्म निशानची के गाने बनाने के अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, जब से मैंने एक्टिंग शुरू की, मेरा सपना था कि मेरी पहली फिल्म में मेरा बनाया हुआ गाना भी हो। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग पूरी होने के बाद, मैं अनुराग सर के साथ एल्बम के एक खास गाने को शेयर करने के लिए बेसब्र था, और एक रात, सुबह के 3 बजे, मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं उठा, अपना कीबोर्ड और गिटार

लिया और कहानी के चुलबुले और शैतानी एनर्जी को कैद करने के लिए आइडिया रिकार्ड करने लगा।

सुबह तक, मैंने पूरा गाना रिकार्ड कर लिया था और उन्हें भेज दिया था। उन्होंने पाँच दिल वाले इमोजी के साथ जवाब दिया और कहा, यह मेरा पसंदीदा गाना है। इसे पूरा करो और मुझे भेजो। भूपेश सर ने गाने के बोल रिकार्ड किए, और जब अनुराग सर ने इसे सुना, तो उन्होंने बस इतना कहा, यह फिल्म में है। अपनी पहली फिल्म के लिए एक गाने को कंपोज करने और लिखने का सपना पूरा होना मेरे लिए खास था।

सिंगर भूपेश सिंह ने कहा, गाना पिजन कबूतर गाने में बहुत मज़ा आया, इसे रिकार्ड करते समय मेरे चेहरे पर तुरंत मुस्कान आ गई। ऐश्वर्य के अनोखे बोल और चुलबुले संगीत ने मुझे अपनी आवाज के साथ एक नए तरीके से प्रयोग करने का मौका दिया, और यह गाना निशानची की दुनिया में बहुत अच्छे से फिट बैठता है। उन्होंने आगे कहा,अपने दोस्त अनुराग के साथ काम करना हमेशा खास होता है, वह हर बार कुछ नया लेकर आते हैं। मुझे खुशी है कि यह गाना पहले ही लोगों से जुड़ रहा है और फिल्म के आफबीट, फिल्मी आकर्षण को और बढ़ा रहा है।

निशानची दो भाइयों की उलझी हुई कहानी को दिखाती है, जो बिल्कुल अलग रास्तों पर हैं और उनके फैसले उनकी किस्मत तय करते हैं। फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं। गांव की पृष्ठभूमि में सेट यह फिल्म रा, एनर्जेटिक और देसी फ्लेवर से भरी हुई है, जो सिनेमाघरों के अनुभव किए जाने के लिए एकदम तैयार है। अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो का सामने आया फर्स्ट लुक, 14 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

शाहिद कपूर जल्द ही निर्देशक विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म ओ रोमियो में नजर आएंगे। इस फिल्म का पहला लुक खुद शाहिद ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया और साथ ही इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। जानिए इस फिल्म में किसके साथ जमेगी शाहिद की जोड़ी।

शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें शाहिद काउबाय हैट पहने हुए हैं और अपना चेहरा छिपाते नजर आ रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें नाना पाटेकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है।

फिल्म ओ रोमियो 14 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में बालीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी नजर आएंगे। यह फिल्म शाहिद और निर्देशक विशाल भारद्वाज की चौथी साझेदारी है, जिन्होंने पहले कमीने, हैदर और रंगून जैसी फिल्में बनाई हैं।

शाहिद और विशाल की जोड़ी ने सबसे पहले फिल्म कमीने में एक साथ काम किया। इस फिल्म में शाहिद ने दो अलग-अलग किरदार निभाए। हैदर में उन्होंने कश्मीर की पृष्ठभूमि पर एक पीड़ति युवक की भूमिका निभाई, जिसे बहुत सराहना मिली। विशाल की फिल्में गहरी कहानियों, जटिल किरदारों और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाती हैं।

सूर्या46 में प्रतिभाशाली अभिनेत्री भवानी श्रे की एंट्री

सूर्या46 में भवानी श्रे मुख्य भूमिका में हैं। सूर्या अपनी बहुमुखी और प्रभावशाली अदाकारी के लिए जाने जाते हैं और सूर्या46 फिल्म प्रेमियों के बीच जबरदस्त दिलचस्पी पैदा कर रही है। यह फिल्म सूर्या की पहली तेलुगु फिल्म है और इसे तेलुगु और तमिल में एक साथ शूट किया गया है। वेंकी अटलुरी इस परियोजना का निर्देशन कर रहे हैं और यह तेजी से आगे बढ़ रही है।

यह ज्ञात है कि मलयाली सुंदरी ममिथा बैजू फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अब, खबरें आ रही हैं कि प्रतिभाशाली कालीवुड अभिनेत्री भवानी श्रे को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुना गया है।

भवानी श्री, जी. वेंकटेश और पार्श्व गायिका ए. आर. रेहाना की पुत्री हैं। उनके बड़े भाई जी. वी. प्रकाश कुमार एक संगीतकार,

पार्श्व गायक, अभिनेता और निर्माता हैं।

उन्हें पावा कढ़ाइगल, का पे रणसिंगम और विदुथलाई पार्ट 1 जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। नागा वामसी द्वारा निर्मित और सिथारा एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में रवीना टंडन और सरथ कुमार महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहे हैं। इस गाने का संगीत जी.वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com